राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, गुरुवार , 16 अक्टूबर 2025

वर्ष 14,अंक 184, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

महीनों से रास्ते पर भरा बारिश व नालियों का गंदा बदबूदार पानी..03

दियारा क्षेत्रों में सघन छापेमारी की तैयारी..04

वायु प्रदूषण से जुड़े हो सकते हैं दिल्ली में रूमेटाइड आर्थराइटिस के बढ़ते मामले- रिपोर्ट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- वायु प्रदूषण- विशेष रूप से सूक्ष्म कण प्रदूषण- दिल्ली-एनसीआर में रूमेटाइड आर्थराइटिस (जोड़ों में दर्द अथवा गठिया) के मामलों के बढ़ने की वजह हो सकती है. यह बात 9 से 12 अक्टूबर तक नई दिल्ली में आयोजित भारतीय रूमेटोलॉजी एसोसिएशन के 40वें वार्षिक सम्मेलन में गठिया विशेषज्ञ डॉक्टरों ने बताई है. इस कार्यक्रम को लेकर इंडियन एक्सप्रेस द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, विशेषज्ञों ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में रूमेटाइड आर्थराइटिस के मामलों की संख्या और तीव्रता दोनों में बढ़त देखी गई है. उन्होंने यह भी जोड़ा कि जिन लोगों में यह आनुवंशिक रूप से प्रवृत्ति नहीं था, अब वे भी इस बीमारी की चपेट में आ रहे हैं. विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, रूमेटाइड आर्थराइटिस एक दीर्घकालिक ऑटो-इम्यून बीमारी है जो शरीर में कई जगह सूजन हो जाती है और आमतौर पर जोड़ों में दर्द होता है. यह कई अंगों जैसे हाथ, कलाई, पैर, टखने, घुटने, कंधे और कोहनी के जोड़ों को प्रभावित कर सकता है. इस बीमारी का कोई इलाज नहीं है- इसके दर्द को केवल मामले की गंभीरता के आधार पर ही नियंत्रित किया जा सकता है।

दिल्ली में बढ़ते मामले

सम्मेलन में आए डॉक्टरों और शोधकर्ताओं ने बताया कि उन्हें दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में रूमेटाइड आर्थराइटिस के मामलों की संख्या और गंभीरता दोनों में वृद्धि का पैटर्न नज़र आ रहा है. अख़बार न ने डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल के प्रोफेसर और रुमेटोलॉजिस्ट डॉ. पुलिन गुप्ता के हवाले से बताया कि शहरी क्षेत्रों में कम होती हरियाली इस समस्या को और बदतर बना रहे हैं, क्योंकि हरी-भरी जगहों की कमी यहां के निवासियों को सुरक्षात्मक पर्यावरणीय सुरक्षा कवच से वंचित कर रही है. उन्होंने यह भी बताया कि कैसे हाल के अध्ययन'पीएम 2.5, नाइट्रोजन ऑक्साइड और ओज़ोन के संपर्क में आने और रूमेटाइड आर्थराइटिस के मामलों के बढ़ते जोखिम के बीच मजबूत संबंध दिखाते हैं, खासकर आनुवंशिक रूप से अतिसंवेदनशील व्यक्तियों में'. उन्होंने कहा कि अध्ययनों से पता चलता है कि व्यस्त सड़कों के पास रहना- जिसका अर्थ हुआ कि यातायात संबंधी प्रदूषण के लगातार संपर्क में रहना- भी रूमेटाइड आर्थराइटिस के उच्च जोखिम से जुड़ा है. एक हालिया 'ऐतिहासिक अध्ययन' का हवाला देते हुए डॉ. गुप्ता ने कहा कि ख़बरों के मुताबिक ऐसे मजबूत आनुवंशिक प्रमाण' मौजूद हैं, जो बताते हैं कि वायु प्रदूषण का संबंध रूमेटाइड आर्थराइटिस सहित ऑटो-इम्यून रोगों से हो सकता हैं. उनके अनुसार, अध्ययन से पता चलता है कि पर्यावरणीय क्षति अब इन बीमारियों के बढ़ने का एक महत्वपूर्ण कारण है.डॉ. गुप्ता ने जिस अध्ययन का ज़िक्र किया है, वह साइंटिफिक रिपोर्ट्स पत्रिका में प्रकाशित हुआ है और

वायु प्रदूषकों और रूमेटाइड आर्थराइटिस सहित विशिष्ट ऑटो-इम्यून रोगों के जोखिमों के बीच संबंध की बात कहता है. डॉ. गुप्ता ने कहा कि दुनिया के शीर्ष 10 सबसे प्रदूषित शहरों में से एक होने के कारण दिल्ली की स्थिति 'चिंताजनक' है।

'सेहतमंद लोग बन रहे हैं मरीज़'

उल्लेखनीय है कि रूमेटाइड आर्थराइटिस को पारंपरिक रूप से आनुवंशिकी और प्रतिरक्षा प्रणाली (इम्यून सिस्टम) कमजोर होने से जोड़ा जाता रहा है. हालांकि, अब ऐसे कई प्रमाण मौजूद हैं जो दर्शाते हैं कि इसका संबंध वायु प्रदूषण जैसे पर्यावरणीय कारकों से भी बढ़ रहा है. अख़बार के अनुसार, सम्मेलन में विशेषज्ञों ने सुझाव दिया कि रूमेटाइड आर्थराइटिस पहले से ही भारत की लगभग 1% वयस्क आबादी को प्रभावित कर रहा है. एम्स दिल्ली में रुमेटोलॉजी विभाग की प्रमुख डॉ. उमा कुमार का कहना है, 'हम प्रदूषित क्षेत्रों में रहने वाले उन रोगियों में रूमेटाइड आर्थराइटिस के मामलों में बढ़त देख रहे हैं जिनकी इस रोग की कोई फैमिली हिस्ट्री या ऑटोइम्यून रोग की आनुवंशिक प्रवृत्ति नहीं रही है.' डॉ. कुमार ने आगे कहा कि रूमेटाइड आर्थराइटिस के वे रोगी जो अन्यथा ठीक हैं, उनकी स्थिति भी प्रदूषण के बढ़ते स्तर पर बिगड़ जाती है. उन्होंने जोड़ा, 'यह पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी है जिसे हम अब और नज़रअंदाज़ नहीं कर सकते. इनमें से ज़्यादातर रोगी 20-50 आयु वर्ग के हैं.' इसी तरह दिल्ली के ही सर गंगा राम अस्पताल के रुमेटोलॉजी विभाग के उपाध्यक्ष डॉ. नीरज जैन बताते हैं कि प्रदूषण तेजी से जिंदगियों को प्रभावित कर रहा है और 'स्वस्थ व्यक्तियों को भी रोगी बना रहा है।'

डॉ. जैन ने कहा, 'जिन युवाओं के परिवार में यह बीमारी किसी को नहीं रही, उनमें यह रोग होना खतरे की घंटी है.' उन्होंने बताया कि चीन में किए गए एक शोध से पता चला है कि लंबे समय तक पीएम 2.5 के संपर्क में रहने से इस रोग के पनपने का जोखिम 12%-18% बढ़ जाता है. उन्होंने आगे कहा, 'यूरोपीय समूहों ने भी इसी तरह बताया कि अत्यधिक प्रदूषित शहरों में रहने वाले लोगों में ऑटोइम्यून विकारों से ज्यादा परेशान हो रहे हैं. ये निष्कर्ष अब डॉक्टरों को दिखाई दे रहे हैंज ऐसे में दिल्ली के रहवासी सांस संबंधी परेशानी और ऑटो-इम्यून बीमारियों की दोहरी मार झेलनी रहे हैं.' इस सम्मेलन में शामिल हुए डॉक्टरों ने यह भी कहा कि बढ़ते प्रदूषण के साथ दिल्ली-एनसीआर और ऐसे अन्य प्रदूषित क्षेत्रों में रूमेटाइड आर्थराइटिस भी बढ़ सकता है।

मोदी-ट्रंप के बीच ये कैसी दोस्ती? अमेरिकी राष्ट्रपति के मुनीर की तारीफ करने पर कांग्रेस ने साधा निशाना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कांग्रेस ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर की प्रशंसा करने को लेकर मंगलवार को सरकार पर हमला बोला और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ट्रंप को खुश करने की बेताब कोशिशों ' के बावजूद अमेरिकी नेता भारत को किस तरह का संकेत दे रहे हैं। विपक्षी पार्टी ने ट्रंप के मुनीर की प्रशंसा और दोनों के बीच पिछली मुलाकातों का हवाला देते हुए पूछा कि ट्रंप और मोदी के बीच यह कैसी दोस्ती है। कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी लगातार राष्ट्रपति ट्रंप को अपना अच्छा दोस्त बताते हैं और सच कहें तो राष्ट्रपति ट्रंप भी प्रधानमंत्री मोदी को अपना अच्छा दोस्त कहते रहते हैं। रमेश ने 'एक्स' पर कहा, "लेकिन यह कैसी दोस्ती है? 18 जून को राष्ट्रपति ट्रंप ने व्हाइट हाउस में फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के लिए एक अभूतपूर्व लंच का आयोजन किया। यही वह फील्ड मार्शल थे, जिनके भड़काऊ और सांप्रदायिक रूप से जहरीले बयानों ने 22 अप्रैल 2025

को पाकिस्तान द्वारा किए गए पहलगाम आतंकी हमलों की पृष्ठभूमि तैयार की थी।" उन्होंने कहा कि इसके बाद एक अक्टूबर को ट्रंप ने व्हाइट हाउस में फील्ड मार्शल से दूसरी बार मुलाकात की, जब मुनीर ने राष्ट्रपति ट्रंप को दुर्लभ खनिजों का एक डिब्बा भेंट किया।

कांग्रेस नेता ने कहा, "अब मिस्र में कल राष्ट्रपति ट्रंप ने मुनीर को 'मेरे पसंदीदा फील्ड मार्शल' कहा और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को विशेष स्थान दिया। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ अपनी नजदीकी बढ़ाने और उनकी कृपा पाने की बेताब कोशिशों के बावजूद, राष्ट्रपति ट्रंप भारत को कैसा संकेत दे रहे हैं?" रमेश ने पूछा कि यह किस तरह की दोस्ती है। शरीफ और पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर की प्रशंसा करते हुए ट्रंप ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को गाजा में युद्ध विराम के बाद मिस्र में विश्व नेताओं के शिखर सम्मेलन को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया।

ट्रंप ने मुनीर को "पाकिस्तान का मेरा पसंदीदा फील्ड मार्शल" कहा। मुनीर इस अवसर पर मौजूद नहीं थे। ट्रंप ने सोमवार को भारत और प्रधानमंत्री मोदी का नाम लिए बिना उनकी प्रशंसा करते हुए कहा, "भारत महान देश है, जिसका नेतृत्व मेरे बहुत अच्छे मित्र कर रहे हैं।" ट्रंप ने गाजा में इजराइल-हमास के बीच करीब दो साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए युद्ध विराम पर बनी सहमति के बाद मिस्र के शर्म अल शेख शहर में विश्व नेताओं के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें लगता है कि "भारत और पाकिस्तान एक साथ बहुत अच्छी तरह से रहेंगे"। ट्रंप ने अपने पीछे खड़े पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की ओर देखते हुए कहा, "भारत महान देश है और मेरे बहुत अच्छे मित्र उसका नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने शानदार काम किया है। मुझे लगता है कि पाकिस्तान और भारत साथ मिलकर बहुत अच्छे से रहेंगे।"

AC स्लीपर, खचाखच भीड़ और फाइबर बॉडी...जैसलमेर में कैसे जिंदा जले 20 लोग, खौफनाक है बस हादसे की कहानी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

राजस्थान के जैसलमेर में मंगलवार को हाहाकार मच गया. एक बस में आग लगने की घटना ने हर इंसान के दिल को दहला दिया. आर्मी स्टेशन के पास जैसलमेर-जोधपुर हाईवे पर चलती बस में अचानक भड़की आग ने 20 यात्रियों की जान ले ली. सबके आंखों के सामने 20 लोग जिंदा जलकर मर गए, मगर आग की लपटों के कारण कोई कुछ नहीं कर पाया. बस के अंदर से चीख-पुकार ने लोगों को झकझोर दिया, मगर बाहर खड़े लोग मजबूर थे. जैसलमेर बस हादसे का दर्द भूलाया नहीं जा रहा. जिसने भी इस खौफनाक मंजर को देखा, वो स्तब्ध रह गया. अब सवाल है कि आखिर बस में आग लगी कैसे, कैसे अचानक 20 लोग काल के गाल में समा गए. चलिए जानते हैं दर्दनाक हादसे की पूरी कहानी. दरअसल, जांच में यह बात सामने आई है कि बस में शॉर्ट सर्किट के कारण ही आग लगी थी. बस के.के ट्रैवल्स की थी और इस हादसे वाली बस को पांच दिन पहले ही जोधपुर-जैसलमेर रूट पर

लगाया गया था. जांच में खुलासा हुआ कि आग वाली बस नॉर्मल बस थी. उसी नॉर्मल बस को एसी बस में कन्वर्ट किया गया था. यह एक एसी स्लीपर बस थी. बस में शॉर्ट सर्किट से ही आग लगी. बस खचाखच भरी हुई थी. बस की पूरी भरी थी और गैलरी में भी यात्री थे।

क्यों नहीं बच पाए लोग?

जांच में यह बात सामने आई कि बस में पीछे की यूनिट में आग लगी. बस के अंदर फाइबर की बॉडी और पर्दे लगे थे और खिड़कियां कांच की थी. इस वजह से आग तेजी से आगे बढ़ी और फैल गई. बस की वायरिंग जल जाने से दरवाजा लॉक हो गया. इसके कारण यात्री बाहर नहीं निकल पाए और अंदर ही छटपटा कर जिंदा जलकर मर गए. इस एसी बस में सिर्फ आगे ही एक गेट था. बस के अंदर गैलरी काफी संकरी थी. गेट लॉक होने से यात्रियों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला. खिड़कियों के कांच भी काफी मजबूत थे. इस कारण अधिक हानि हुई।

कैसे हुआ रेस्क्यू ऑपरेशन

जैसे ही बस में आग की सूचना सड़क किनारे शराब ठेकेदार कस्तूर सिंह को मिली तो वो मौके पर पहुंचे लेकिन आग इतनी विकराल थी कि पास जा नहीं सके और बुझाने का उपाय नहीं सूझा. इतने में उन्होंने एक दूसरे ठेकेदार का पानी का टैंकर आर्मी एरिया के अंदर देखा तो गेट तोड़कर इस टैंकर को लेकर पहुंचे और आग बुझाने की कोशिश की. तब तक बहुत देर हो चुकी थी. घटनास्थल जैसलमेर से महज 9 किलोमीटर दूर था. बावजूद इसके फायर ब्रिगेड की टीम सूचना मिलने के 45 मिनट बाद पहुंची. बस का गेट नहीं खुला तो सेना के जवानों ने जेसीबी लगाकर तोड़ा. तब जाकर रेस्क्यू का काम शुरू हुआ।

संक्षिप्त ख़बरें

स्कूल के लिए घर से निकली छात्रा का शव तालब में मिला, हत्या की आशंका

देवरिया- जिले के गौरी बाजार थाना क्षेत्र में एक पोखर से एक नाबालिग छात्रा का शव बरामद किया गया है। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को यहां बताया कि गौरी बाजार थाना क्षेत्र के अन्हारीबारी गांव में मंगलवार की रात एक पोखर से 16 वर्षीय नाबालिग छात्रा का शव मिला। उसकी पहचान अन्हारीबारी निवासी इसराइल की पुत्री मरियम (16) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि बखरा इंटर कालेज में दसवीं की छात्रा मरियम मंगलवार को दोपहर करीब दो बजे घर से निकली थी। देर शाम तक वापस नहीं आने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की मगर उसका पता नहीं चल पाया। रात को करीब आठ बजे गांव के एक व्यक्ति ने पास के पोखर में छात्रा का शव उतराता देखा और उसके परिजन को सूचना दी। सूत्रों ने बताया कि इस सूचना पर बड़ी संख्या में गांव के लोग मौके पर पहुंच गए। परिजनों ने शव की पहचान की और स्थानीय गौरी बाजार पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। थानाध्यक्ष राहुल सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चलेगा।

मायावती ने पदाधिकारियों की बुलाई बैठक, चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं संग लेकर सकती हैं बड़ा फैसला

लखनऊ- बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती बृहस्पतिवार को लखनऊ में पार्टी के राज्य स्तरीय पदाधिकारियों की एक अहम बैठक को संबोधित करेंगी। बसपा द्वारा बुधवार को यहां जारी एक बयान के मुताबिक, मायावती द्वारा पार्टी के प्रदेश कार्यालय में पूर्वाह्न 11 बजे बुलायी गयी इस बैठक में विगत नौ अक्टूबर को बसपा संस्थापक कांशीराम की 19वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित रैली की ऐतिहासिक सफलता' में पार्टी पदाधिकारियों और समर्थकों के योगदान की सराहना और आभार व्यक्त किया जाएगा। पार्टी के मीडिया आमंत्रण के मुताबिक, मायावती इस बैठक में सभी स्तरों पर कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के प्रयासों के लिए उनका आभार व्यक्त करेंगी और पार्टी की भविष्य की कार्ययोजना के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश भी देंगी। बैठक में प्रदेश भर से वरिष्ठ बसपा नेताओं, जिला अध्यक्षों, समन्वयकों और अन्य प्रमुख पदाधिकारियों के शामिल होने की उम्मीद है।

दुर्गापुर गैंगरेप केस पीड़िता के पिता बोले 'अब बंगाल छोड़ना चाहता हूं', बेटी के टूटे सपनों से कांपा दिल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोलकाता- दुर्गापुर गैंगरेप केस ने पश्चिम बंगाल को हिला कर रख दिया है. मामले में अब पीड़िता के पिता का दर्दनाक बयान सामने आया है. उन्होंने कहा कि वे अब बंगाल छोड़कर अपने गृह राज्य ओडिशा लौटना चाहते हैं. पिता ने कहा, 'बाकियों के लिए बंगाल भले ही सोने का हो, लेकिन मेरे लिए यह अब दर्द का राज्य बन गया है. मैं यहां से जल्द निकलना चाहता हूं.' मामले में सोमवार को पीड़िता के सहपाठी को अदालत में पेश किया गया, जिसे सात दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया है. यह वही लड़का है जिसके साथ पीड़िता घटना की रात डिनर पर गई थी. पिता ने कहा, 'मेरी बेटी का दोस्त गिरफ्तार हुआ है. मैंने कहा है कि वह दोषी है, लेकिन आगे की जांच में जो निकलेगा, वही सच होगा।'

'कोई वो दर्द न झेले, जो मेरी बेटी ने सहा'

उन्होंने कहा कि अगर CBI जांच होती है, तो शायद बेहतर नतीजे सामने आएंगे, लेकिन यह निर्णय राज्य सरकार को लेना होगा. पीड़िता के पिता ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से भी भावुक अपील की, 'ममता दीदी, आप मेरे लिए मां जैसी हैं. अगर मुझसे कोई गलती हुई है या कुछ गलत कहा गया है, तो मुझे माफ कर दीजिए.' पिता ने रोते हुए कहा, 'मेरी बेटी के सारे सपने खत्म हो गए हैं. कोई भी लड़की अब वह दर्द न झेले,

जो मेरी बेटी ने सहा है.' ओडिशा की रहने वाली एक मेडिकल छात्रा के साथ दुर्गापुर के पास स्थित एक प्राइवेट मेडिकल कॉलेज के बाहर गैंगरेप हुआ था. पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें पीड़िता का सहपाठी भी शामिल है. पुलिस ने बताया कि सभी आरोपियों से पूछताछ जारी है और फॉरेंसिक जांच के लिए कपड़े और मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं. क्राइम सीन रीक्रिएशन के दौरान पुलिस ने पीड़िता के दोस्त और पांचों आरोपियों को वारदात स्थल पर ले जाकर जांच की।

इस बीच, राज्य सरकार पर विपक्ष ने सवाल उठाए हैं कि कानून-व्यवस्था पूरी तरह विफल हो चुकी है. हालांकि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि 'केवल आलोचना से कुछ नहीं होगा, पीड़ितों के साथ खड़े होकर मदद करनी चाहिए.' उन्होंने कहा कि राज्य सरकार राहत और पुनर्वास के हर कदम को 'वॉर फुटिंग' पर अंजाम दे रही है. परंतु जनता के बीच गुस्सा कम नहीं हुआ है. सोशल मीडिया पर Justice for Durgapur Girl ट्रेंड कर रहा है और लोग मांग कर रहे हैं कि दोषियों को जल्द से जल्द सजा मिले।

अब कोलकाता में शर्मनाक वारदात- इंजीनियरिंग छात्रा से सहपाठी ने किया रेप, आरोपी गिरफ्तार

पश्चिम बंगाल में एक और रेप केस ने सनसनी मचा दी है. कोलकाता के एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज की द्वितीय वर्ष की छात्रा के साथ उसके सहपाठी ने कथित रूप से बलात्कार किया. पुलिस ने आरोपी को शहर के दक्षिणी हिस्से के आनंदपुर इलाके से गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस के मुताबिक, पीड़िता ने शिकायत में बताया कि आरोपी ने उसके पेय पदार्थ में नशीला तत्व मिलाया, जिससे वह बेहोश हो गई. होश आने पर उसने खुद को असहाय हालत में पाया और रेप की पुष्टि हुई. यह घटना उस समय सामने आई है जब राज्य पहले से ही दुर्गापुर गैंगरेप मामले से आक्रोश में है. अधिकारियों ने बताया कि आरोपी घटना के बाद फरार हो गया था, लेकिन आनंदपुर स्थित अपने घर लौटने पर उसे तुरंत गिरफ्तार किया गया. अदालत ने आरोपी को 22 अक्टूबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है. पुलिस ने कहा है कि जांच तेजी से जारी है और फॉरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद पूरी सच्चाई सामने लाई जाएगी।

हरियाणा आईपीएस मौत- एक और पुलिसकर्मी की खुदकुशी, दिवंगत अधिकारी पर लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- हरियाणा के दलित आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन कुमार की आत्महत्या मामले में मंगलवार (14 अक्टूबर) को एक नया मोड़ आया, जब रोहतक में तैनात एक सहायक उप-निरीक्षक (एएसआई) ने भी कथित तौर पर आत्महत्या कर ली. मृतक एएसआई संदीप कुमार ने एक सुसाइड नोट और एक वीडियो छोड़ा है, जिसमें उन्होंने पूरन कुमार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं. इस वीडियो ने पहले से विवादों में घिरे इस मामले को और भी पेचीदा बना दिया है. इस बीच, चंडीगढ़ पुलिस ने अदालत में याचिका दायर कर पूरन कुमार के शव का पोस्टमार्टम कराने और उनकी लैपटॉप को जांच में शामिल करने की अनुमति मांगी है. हालांकि, अधिकारी के परिवार ने अपनी लंबित मांगें पूरी न होने तक न पोस्टमार्टम की अनुमति दी है और न ही लैपटॉप सौंपने को तैयार हैं. मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए रोहतक के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सुरेंद्र सिंह भोरिया ने मृतक एएसआई को मेहनती और ईमानदार बताया और कहा कि मामले की जांच जारी है. इस घटना ने 7 अक्टूबर को हुई आईपीएस अधिकारी पूरन कुमार की आत्महत्या की घटनाओं की कड़ी को फिर से उलझा दिया है. पूरन कुमार की मौत से एक दिन पहले तत्कालीन एसपी नरेंद्र बिजारनिया के कार्यकाल में रोहतक पुलिस ने हेड कॉन्स्टेबल सुशील कुमार को गिरफ्तार किया था. उस पर आरोप था कि उसने एक स्थानीय शराब व्यापारी से पूरन कुमार के नाम पर रिश्वत मांगी थी. बिजारनिया ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया था कि सुशील ने पूरन कुमार के नाम पर रिश्वत मांगी थी और उन्होंने पूरन कुमार के नाम पर पैसे लेने की बात को स्वीकारा भी था. उधर पूरन कुमार के परिवार का आरोप है कि यह रिश्वत वाली घटना उनके खिलाफ रची गई एक बड़ी साजिश का हिस्सा थी, जिसमें हरियाणा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) शत्रुजीत कपूर और एसपी बिजारनिया शामिल थे और इसी साजिश के चलते कुमार ने आत्महत्या की. लेकिन एएसआई संदीप ने अपनी कथित आत्महत्या से पहले बनाए गए वीडियो में दावा किया है कि कपूर और बिजारनिया दोनों ईमानदार अधिकारी हैं. इसके उलट, उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ पुलिस अधिकारी भ्रष्टाचार में लिप्त थे, अपने सहयोगियों को परेशान करते थे और ईमानदार अफसरों पर अत्याचार करते थे. यहां पर उनका सीधा इशारा पूरन कुमार की ओर था. वीडियो में संदीप कहते सुनाई देते हैं, 'कभी-कभी किसी को देश को जगाने के लिए अपनी जान देनी पड़ती है.' उन्होंने पूरन कुमार और उनके परिवार की संपत्तियों की जांच की भी मांग की.' संदीप का यह भी दावा था कि पूरन कुमार पर भ्रष्टाचार के आरोप सामने आने के बाद वे दबाव में थे, और इसी डर से उन्होंने आत्महत्या की.. न कि किसी सामाजिक भेदभाव या जातीय उत्पीड़न के कारण.. जैसा कि उनके सुसाइड नोट में लिखा गया था. इसी बीच, वाई. पूरन कुमार न्याय मोर्चा के सचिव मुकेश कुमार ने द वायर से कहा कि यह नया घटनाक्रम कुमार के लिए न्याय की मांग को भटकाने की कोशिश लगती है।

उन्होंने कहा, 'हमें एएसआई संदीप कुमार की मौत का उतना ही दुख है जितना पूरन कुमार की मौत का है. हम मांग करते हैं कि एएसआई की मौत की भी निष्पक्ष जांच हो ताकि सच्चाई सामने आ सके.' सोमवार देर रात हरियाणा सरकार ने डीजीपी कपूर को छुट्टी पर भेज दिया और ओपी सिंह को कार्यभार सौंप दिया है।

इस पर मुकेश ने कहा, 'डीजीपी को छुट्टी पर भेजना या रोहतक के एसपी का तबादला करना सिर्फ दिखावा है. उन्हें निलंबित कर गिरफ्तार किया जाना चाहिए. हम न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रखेंगे.' चंडीगढ़ पुलिस ने मंगलवार (14 अक्टूबर) को स्थानीय अदालत में पूरन कुमार के पोस्टमार्टम की अनुमति के लिए याचिका दायर की है. अदालत ने इस पर मृतक अधिकारी के परिवार से जवाब मांगा है, जिसके बाद फैसला लिया जाएगा. पुलिस का कहना है कि सबूत सुरक्षित रखने और जांच को आगे बढ़ाने के लिए इस चरण पर पोस्टमार्टम बेहद ज़रूरी है. आठ दिन बीत जाने के बाद भी पोस्टमार्टम नहीं हो सका है क्योंकि परिवार अपनी मांगें पूरी होने तक इसकी अनुमति देने से इनकार कर रहा है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, सरकार और पुलिस दोनों ने परिवार को मनाने की कोशिश की, लेकिन नाकाम रहने पर अदालत का दरवाज़ा खटखटाया गया है. कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि अगर सबूत नष्ट होने की आशंका हो, तब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत पुलिस परिवार की अनुमति के बिना भी पोस्टमार्टम कर सकती है. अगर आप या आपका कोई परिचित आत्महत्या के विचारों से जूझ रहा है, तो कृपया उनकी मदद के लिए संपर्क करें. सुसाइड प्रिवेंशन इंडिया फाउंडेशन आत्महत्या-रोधी हेल्पलाइन नंबरों की सूची उपलब्ध कराता है जहां गोपनीय तौर पर बात चीत की जाती है. टीआईएसएस द्वारा संचालित 'iCall' पर देशभर के प्रशिक्षित परामर्शदाताओं की लिस्ट भी मौजूद है. या आप उन्हें नज़दीकी अस्पताल भी ले जा सकते हैं।

शराब के नशे में बड़ा भाई बना हैवान, छोटे भाई को कीचड़ में दबाया और ले ली जान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर के बिठूर थाना क्षेत्र के तहत आने वाली टिकरा चौकी के पारा प्रतापपुर गांव में बीती रात्रि एक दिल दहला देने वाली घटना घटी. यहां शराब के नशे में धुत्त बड़े भाई ने अपने छोटे भाई की हत्या कर दी. यह झगड़ा पारिवारिक विवाद से शुरू होकर हत्या तक पहुंच गया. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. अभी तक तहरीर नहीं मिली है, लेकिन जल्द ही तहरीर लेकर मुकदमा दर्ज किया जाएगा. घटना की सूचना डायल 112 के माध्यम से पुलिस को मिली. सूचना पर थाना बिठूर के अधिकारी, पुलिस बल, फॉरेंसिक यूनिट और फील्ड यूनिट मौके पर पहुंचे. प्रारंभिक जांच में पता चला कि मृतक विराट का बड़ा

भाई कुंदन शराब के नशे में घर लौटा था. नशे की हालत में उसने सबसे पहले अपने पिता के साथ मारपीट की. इसके बाद अपनी पत्नी के साथ गाली-गलौज शुरू कर दिया. क्रोधित कुंदन फिर बगल के घर में रहने वाले छोटे भाई विराट से उलझ गया।

पुलिस के अनुसार, घर के सामने कच्चा रास्ता है जहां ट्रैक्टरों के आवागमन से गहरा की, दलदली कीचड़ जमा हो गया था. झगड़े के दौरान कुंदन ने विराट को जोरदार धक्का दिया, जिससे वह कीचड़ में गिर पड़ा. कुंदन ने उसे कीचड़ में दबाए रखा और तब तक नहीं छोड़ा जब तक विराट की सांसें नहीं थम गईं. मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने भी इसी क्रम की पुष्टि की. उन्होंने बताया कि कुंदन का नशा इतना चरम पर था कि वह किसी की बात सुनने को तैयार नहीं था. यह घटना रात्रि करीब 10 बजे की बताई जा रही है।

पुलिस उपायुक्त कपिल देव सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई की. शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है. तहरीर प्राप्त होने पर आईपीसी की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कुंदन के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी. फिलहाल आरोपी फरार है और उसकी तलाश की जा रही है. फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं, जिनकी जांच से हत्या की पुष्टि होगी।

इसराइल-हमास संघर्ष- शांति, कूटनीति और डोनाल्ड ट्रंप

इसराइल-हमास संघर्ष- शांति, कूटनीति और डोनाल्ड ट्रंप।

लगभग 2 वर्षों के बाद गाजा पट्टी में इसराइल हमास युद्ध अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्तता से थम गया है. इस समझौते में इसराइल के हमास द्वारा बनाए गए इसराइल नागरिक शेष 20 बंधक इसराइल को सौंपें दिए गए बदले में 1900 से ज्यादा बंधकों और फिलिस्तीन कैदियों को रिहा किया गयाद्य इस युद्ध में अरबों रूपयों का आर्थिक नुकसान हुआ और गाजा पट्टी फिलिस्तीन से एक लाख से ज्यादा नागरिक विस्थापित हुए हैं, और मारे गए इजराइल फिलिस्तीन नागरिकों की संख्या बहुत बड़ी है जिसकी सच्चाई का आकलन अभी तक नहीं किया जा पाया है। यह युद्ध विराम मानवता के लिए एक बड़ी राहत संधि मानी जा रही है। इसके बदले डोनाल्ड ट्रंप को इसराइल का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भी दिया गया है। डोनाल्ड ट्रंप के ताज में शांति समझौते का एक और नया हीरा जुड़ गया है। डोनाल्ड ट्रंप की नोबेल पुरस्कार प्राप्ति की आकांक्षा 2026 के लिए फिर शुरू हो गई वे अभी भी नोबेल पुरस्कार की दौड़ में बड़े आकांक्षी हैं।

इसराइल-हमास-गाज़ा पट्टी का संघर्ष दशकों से मध्य-पूर्व की राजनीति का सबसे गंभीर अध्याय रहा है। 1948 में इसराइल के गठन के साथ ही अरब-फ़िलिस्तीनी विवाद आरंभ हुआ और 1967 के युद्ध के बाद गाज़ा इसराइली नियंत्रण में आया। 2007 में हमास द्वारा गाज़ा पर नियंत्रण और इसराइल की नाकेबंदी ने तनाव को और गहरा किया। सितंबर 2023 में हमास ने अचानक इसराइल पर हमला कर लगभग 251 नागरिकों को बंधक बना लिया। इस हमले ने न केवल मध्य-पूर्व बल्कि विश्व-राजनीति को भी हिला दिया। अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जिन्होंने पहले "अब्राहम समझौते" के माध्यम से अरब-इसराइल संबंधों में शांति का द्वार खोला था, ने इस संकट को अपनी नोबेल शांति पुरस्कार की आकांक्षा से जोड़ते हुए सक्रिय मध्यस्थता की। ट्रंप ने कतर, मिस्र, संयुक्त राष्ट्र और यूरोपीय साझेदारों के साथ मिलकर एक बहुपक्षीय शांति प्रारूप तैयार किया। उन्होंने इसे "ह्यूमैनिटी फर्स्ट इनिशिएटिव" नाम दिया और कहा कि "यदि यह समझौता सफल होता है तो मैं नहीं, बल्कि शांति खुद नोबेल की हक़दार होगी।" जनवरी 2025 में उनके नेतृत्व में हुए समझौते में 33 इज़राइली बंधकों की रिहाई हुई, जिनमें 25 जीवित और 8 मृत घोषित हुए। इसके बदले इसराइल ने लगभग 1,700 फ़िलिस्तीनी कैदियों को छोड़ा। यह "गाज़ा शांति चरण-1 समझौता" कहलाया। इसके बाद अक्टूबर 2025 में शेष 20 जीवित बंधक भी छोड़े गए, जिनकी वापसी को अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने ऐतिहासिक राहत माना। इस रिहाई और युद्धविराम की प्रक्रिया में अमेरिका और कतर के साथ भारत की भूमिका विशेष रूप से रेखांकित रही। भारत ने गाज़ा में मानवीय सहायता, चिकित्सा उपकरण, खाद्य सामग्री और राहत दल भेजे। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में दोनों पक्षों से संयम बरतने और आतंकवाद से मुक्त स्थायी शांति की अपील की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ÷भारत आतंकवाद के खिलाफ है और निर्दोष जीवन की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास करेगा।÷ भारत की यह संतुलित नीति – जहाँ एक ओर इसराइल के आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन किया गया, वहीं फ़िलिस्तीनी नागरिकों की सुरक्षा पर भी जोर दिया गया,उसे एक विश्वसनीय मध्यस्थ छवि प्रदान करती है। दूसरी ओर, नाटो देशों की प्रतिक्रिया आरंभ में इज़राइल-समर्थक रही। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और कनाडा ने हमास के हमले को "आतंकी कार्रवाई" बताया और इज़राइल को सैन्य, तकनीकी और खुफिया सहायता दी। परंतु जैसे-जैसे गाज़ा में नागरिक हताहत बढ़े, यूरोपीय संघ और नाटो देशों में मतभेद उभरने लगे। फ्रांस और स्पेन जैसे देशों ने "मानवीय संघर्षविराम" का आग्रह किया जबकि अमेरिका ने मध्य-पूर्व में स्थायी शांति के लिए कूटनीतिक दबाव बनाए रखा। इस दौरान ट्रंप की व्यक्तिगत भूमिका सबसे निर्णायक बनी रही। उन्होंने कई बार सार्वजनिक रूप से कहा कि उनका प्रयास केवल राजनीतिक समाधान नहीं बल्कि "मानवता की बहाली" है, और उन्होंने इसे अपनी नोबेल शांति पुरस्कार की आकांक्षा से जोड़ा। अंतरराष्ट्रीय समुदाय में उन्हें शांति दूत बनाने का प्रयास किया गया है।

इसराइल-हमास-गाज़ा पट्टी का संघर्ष आधुनिक विश्व की सबसे जटिल मानवीय और राजनीतिक त्रासदियों में से एक है। गाज़ा पट्टी आकार में भले ही छोटी हो, परंतु इसका इतिहास, भू-राजनीति और संघर्ष की गहराई अत्यंत विशाल है। 1948 में इज़राइल राष्ट्र के गठन के साथ ही पहला अरब-इज़राइल युद्ध छिड़ गया था, जिसके बाद गाज़ा मिस्र के नियंत्रण में आया और 1967 के छह दिवसीय युद्ध में इज़राइल ने इस क्षेत्र पर कब्ज़ा कर लिया। 1990 के दशक में ओस्लो समझौते के बाद सीमित स्वशासन वाली फिलिस्तीनी प्राधिकरण की स्थापना हुई, किंतु इसके कुछ ही वर्षों बाद हमास नामक संगठन ने धीरे-धीरे राजनीतिक प्रभाव बढ़ाया और 2006 में हुए चुनावों में अप्रत्याशित रूप से विजयी हुआ। 2007 में फतह के साथ संघर्ष के बाद हमास ने गाज़ा पर पूर्ण नियंत्रण कर लिया। इसके बाद इज़राइल ने सुरक्षा कारणों से गाज़ा की सीमाओं को सील कर दिया और थल, जल, वायु मार्गों पर कड़ी नाकेबंदी लागू कर दी। इसी के साथ गाज़ा लगातार मानवीय संकट और अस्थिरता का केंद्र बन गया। सितंबर 2023 में विश्व समुदाय तब स्तब्ध रह गया जब हमास ने इज़राइल पर अचानक बड़े पैमाने पर हमला किया। इस हमले में रॉकेट बमबारी, सीमा पार घुसपैठ और नागरिकों पर हमले शामिल थे। हमास के लड़ाकों ने लगभग सात सौ इज़राइली नागरिकों और सैनिकों को बंधक बना लिया और उन्हें गाज़ा में अपनी पकड़ में रखा। यह घटना आधुनिक इज़राइल के इतिहास की सबसे बड़ी सुरक्षा विफलताओं में से एक मानी गई। इसके प्रतिकार में इज़राइल ने "ऑपरेशन आयरन स्वॉर्ड" नामक भीषण सैन्य अभियान शुरू किया जिसमें गाज़ा पर लगातार हवाई और ज़मीनी हमले किए गए। इस अभियान में हजारों इमारतें ध्वस्त हुई, सैकड़ों नागरिक मारे गए और लाखों लोग विस्थापित हो गए। मिस्र, कतर और अमेरिका की मध्यस्थता से कई दौर की बातचीत के बाद कुछ बंधकों को मानवीय आधार पर छोड़ा गया, किंतु अधिकांश अब भी लापता हैं। इस युद्ध ने न केवल मध्य पूर्व बल्कि पूरी दुनिया को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि आखिर इस संघर्ष का अंत कहाँ है। गाज़ा में पहले से ही बिजली, पानी, दवाइयाँ और आवास जैसी सुविधाएँ सीमित थीं। अब स्थिति और भयावह हो गई है। संयुक्त राष्ट्र ने इसे 21वीं सदी के सबसे बड़े मानवीय संकटों में एक बताया। अस्पतालों में संसाधनों की कमी, बच्चों और बुजुर्गों की त्रासदी और शरणार्थी शिविरों में बढ़ती भीड़ इस संघर्ष की मानवीय कीमत को दर्शाती है। राजनीतिक दृष्टि से हमास इसे "प्रतिरोध का युद्ध" कहता है जबकि इज़राइल इसे "आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई" मानता है। दोनों पक्षों के अपने तर्क हैं, परंतु बीच में पिस रही है आम जनता, जिसकी पीड़ा किसी भी पक्ष के लिए प्राथमिकता नहीं रह गई है। भविष्य को लेकर तीन संभावनाएँ सामने आती हैं। पहली, निकट भविष्य में स्थिति में स्थायित्व नहीं आने वाला है। तब तक वहाँ की हर सुबह धुएँ और आँसुओं में डूबी रहेगी। यही आज की सबसे बड़ी सच्चाई है – कि युद्ध से कोई विजेता नहीं निकलता, केवल पीड़ा और विनाश शेष रह जाता है।

संजीव ठाकुर

डॉ. कलाम- वह प्रकाश, जो युवा पीढ़ी को दिशा देता है

[एक महान वैज्ञानिक, एक प्रेरक शिक्षक, एक जीवन दर्शन]

[कलाम जी की विरासत- पढ़ाई से प्रेरणा, ज्ञान से शक्ति]

आकाश की अनंत ऊँचाइयों को छूने का साहस, ज्ञान की अथाह गहराइयों में उतरने की जिज्ञासा और राष्ट्र के प्रति अटूट निष्ठा - यही थे डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, भारत के 'मिसाइल मैन' और 'जनता के राष्ट्रपति'। 15 अक्टूबर, उनकी जयंती, महज एक तारीख नहीं, बल्कि एक प्रेरणा का उत्सव है, जो हमें उनके आदर्शों, सपनों और ज्ञान की अमर विरासत से जोड़ता है। महाराष्ट्र सरकार ने इस दिन को 'रीडिंग इंस्पिरेशन डे' घोषित किया है, ताकि उनकी पुस्तक प्रेम और ज्ञान की भूख की भावना नई पीढ़ी में जागे। यह पहल एक आयोजन से कहीं बढ़कर है - यह एक संदेश है कि पढ़ाई वह शक्ति है, जो सपनों को उड़ान देती है और राष्ट्र को नई दिशा।

डॉ. कलाम का जीवन एक प्रेरक गाथा है, जो साधारण शुरुआत से असाधारण उपलब्धियों का प्रतीक है। रामेश्वरम के एक साधारण परिवार में जन्मे, जहाँ उनके पिता नाविक और माँ गृहिणी थीं, संसाधनों की कमी ने कभी उनके सपनों को बंधन में नहीं बाँधा। बचपन में अखबार बाँटने से लेकर भारत के मिसाइल और अंतरिक्ष कार्यक्रमों का नेतृत्व करने तक, उनका सफर दर्शाता है कि दृढ़ निश्चय और मेहनत हर बाधा को परास्त कर सकती है। उनकी कहानी हर उस युवा के लिए प्रेरणा है, जो परिस्थितियों के सामने हार मान लेता है।

डॉ. कलाम का नाम भारत के वैज्ञानिक इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित है। इसरो और डीआरडीओ में उनके योगदान ने भारत को स्वदेशी मिसाइल प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष के क्षेत्र में वैश्विक पहचान दिलाई। अग्नि, पृथ्वी और त्रिशूल जैसी मिसाइलों के विकास में उनकी भूमिका ने भारत को आत्मनिर्भर और शक्तिशाली बनाया। लेकिन उनकी महानता केवल तकनीकी उपलब्धियों तक सीमित नहीं थी। वे एक दूरदर्शी विचारक, लेखक और शिक्षक थे, जिनके लिए ज्ञान जीवन का आधार था। उनका विश्वास था कि पुस्तकें न केवल जानकारी देती हैं, बल्कि सृजनात्मकता, नैतिकता और जीवन के गहन दर्शन का द्वार खोलती हैं। उनका कथन, "सपने वो नहीं जो सोते वक्त देखे जाते हैं, सपने वो हैं जो आपको सोने न दें," आज भी लाखों युवाओं को प्रेरित करता है।

'रीडिंग इंस्पिरेशन डे' के रूप में उनकी जयंती मनाना एक दूरदर्शी कदम है। यह दिन केवल पुस्तकों की ओर ध्यान खींचने का अवसर नहीं, बल्कि युवाओं में जिज्ञासा, अनुशासन और वैज्ञानिक दृष्टिकोण जागृत करने का आह्वान है। डॉ. कलाम का जीवन सिखाता है कि पढ़ाई केवल डिग्री या नौकरी का साधन नहीं, बल्कि जीवन को समृद्ध करने और समाज को बदलने का उपकरण है। स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों में इस दिन उनकी पुस्तकों जैसे विंग्स ऑफ फायर और इग्नाइटेड माइंड्स के साथ-साथ उनके भाषणों के माध्यम से युवाओं को प्रेरित किया जाता है। यह आयोजन बच्चों को समय प्रबंधन, निरंतर सीखने की आदत और नैतिकता का महत्व सिखाकर एक उज्ज्वल भविष्य की नींव रखता है।

डॉ. कलाम का जीवन अनुशासन और जिज्ञासा का अनुपम उदाहरण है। व्यस्त जीवन में भी वे सुबह जल्दी उठकर ध्यान करते, विचारों को कलमबद्ध करते और पुस्तकों में खो जाते। उनका विश्वास था कि छोटे-छोटे कदम, यदि सही दिशा में उठें, तो बड़े बदलाव लाते हैं। आज के युवाओं के लिए, जो त्वरित सफलता की चाह

में धैर्य खो देते हैं, उनका यह संदेश अमूल्य है- सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं; यह कठिन परिश्रम, निरंतर सीखने और नैतिकता का फल है।

डॉ. कलाम का सपना केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों तक सीमित नहीं था; वे एक सशक्त, आत्मनिर्भर भारत की कल्पना करते थे। उनके लिए शिक्षा और विज्ञान का मकसद था समाज और राष्ट्र की सेवा। उनकी पुस्तकों और भाषणों में बार-बार यही गूंजता है कि युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी ताकत है। उनका विश्वास, "2020 तक भारत एक विकसित राष्ट्र बनेगा," आज भी हमें सामूहिक और राष्ट्रीय सपनों के लिए प्रेरित करता है। युवाओं को सही दिशा मिले, तो भारत विश्व में नेतृत्व की भूमिका निभा सकता है।

'रीडिंग इंस्पिरेशन डे' केवल पुस्तकें पढ़ने का अवसर नहीं, बल्कि सामाजिक समानता और समावेशिता का प्रतीक है। साधारण पृष्ठभूमि से आए डॉ. कलाम ने कभी जाति, धर्म या क्षेत्र को अपनी राह में बाधा नहीं बनने दिया। उनकी जयंती हमें याद दिलाती है कि शिक्षा और ज्ञान सभी के लिए सुलभ होने चाहिए। यह आयोजन ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों तक पहुंचे, जहाँ पुस्तकों और संसाधनों की कमी है, ताकि हर बच्चे तक ज्ञान की रोशनी पहुँचे। डॉ. कलाम की अनकही कहानियाँ भी उतनी ही प्रेरक हैं। राष्ट्रपति भवन में रहते हुए भी वे सादगी से जीते और बच्चों से मिलने के लिए हमेशा समय निकालते। स्कूलों में जाकर वे छात्रों को विज्ञान, नवाचार और सपनों के लिए प्रेरित करते। उनकी पुस्तक माय जर्नी में साझा बचपन की सादगी और संघर्ष हमें सिखाते हैं कि कठिनाइयों के बीच भी हिम्मत और मेहनत से बड़े लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं।

15 अक्टूबर केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि एक संकल्प है। डॉ. कलाम का जीवन एक खुली किताब है, जिसका हर पन्ना प्रेरणा, अनुशासन और देशभक्ति की कहानी कहता है। 'रीडिंग इंस्पिरेशन डे' हमें सिखाता है कि पुस्तकें विचारों का खजाना हैं, जो सवाल उठाने की हिम्मत और समाज को बेहतर बनाने की प्रेरणा देती हैं। इस दिन हम प्रण लें कि हम न केवल अपने लिए पढ़ेंगे, बल्कि समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाने के लिए ज्ञान अर्जित करेंगे। डॉ. कलाम का सपना था एक ऐसा भारत, जो विज्ञान, शिक्षा और नैतिकता में विश्व का नेतृत्व करे। यदि हर युवा उनकी तरह जिज्ञासु, अनुशासित और राष्ट्रसेवा के लिए समर्पित बने, तो उनका सपना साकार होगा। यह दिन हमें यही संदेश देता है- पढ़ो, सीखो, सपने देखो और भारत को नई ऊँचाइयों तक ले जाओ।

प्रो. आरके जैन

दीपोत्सव- आत्म-प्रकाश से समाज-प्रकाश का पर्व

दीपोत्सव भारत का सबसे आलोकित पर्व है, परंतु इसका अर्थ केवल दीप जलाना नहीं, बल्कि वह अंधकार मिटाना है जो हमारे अंतर्मन में स्वार्थ, ईर्ष्या और असहिष्णुता के रूप में घर कर गया है। जब मनुष्य का मन अंदर से धुँधला जाता है, तब बाहरी रोशनी भी फीकी पड़ने लगती है। इसलिए दीपोत्सव का सच्चा संदेश यही है कि पहले मन के अंधकार को दूर करें, तभी संसार वास्तव में प्रकाशमय बनेगा। यह पर्व हमें यह भी स्मरण कराता है कि असली दीप बाहर नहीं, भीतर जलाना है-वह भी सत्य, करुणा और सेवा की ज्योति से। जिस दिन प्रत्येक व्यक्ति अपने अंतःकरण में सच्चाई,सहानुभूति और भाईचारे का दीप जलाएगा, उस दिन समाज अपने आप जगमगा उठेगा। वास्तव में दीपावली का आधार आत्मप्रकाश से समाजप्रकाश ही है। यह पर्व भारतीय सांस्कृतिक परंपरा में प्रकाश की विजय का प्रतीक है। यह हमें श्रीराम के अयोध्या लौटने की उस दिव्य रात्रि की याद दिलाता है, जब सत्य और धर्म का प्रकाश असत्य और अधर्म के अंधकार पर विजय प्राप्त करता है। तभी से दीपावली यह संदेश देती आई है कि प्रकाश का मार्ग ही मनुष्य का सच्चा मार्ग है।

आज जब भारतीय समाज जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्र के नाम पर विभाजित होकर अविश्वास और असंवेदनशीलता की छाया में उलझा हुआ है, तब दीपोत्सव का महत्व और भी बढ़ जाता है। यह केवल घर सजाने या मिठाई बाँटने का अवसर नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन में उजाला बाँटने का अवसर है। यदि हम किसी जरूरतमंद के घर में मुस्कान पहुँचा सकें, किसी गरीब या वंचित बच्चे को दीपोत्सव मनाने का अवसर दे सकें, किसी निराश व्यक्ति को सहारा दे सकें या किसी वृद्धाश्रम में खुशियाँ बाँट सकें, तभी यह पर्व सच्चे अर्थों में सार्थक होगा।

दीपावली का प्रकाश हमें यह भी सिखाता है कि प्रकाश की कोई सीमा नहीं होती, वह सबका होता है और सबको समान रूप से आलोकित करता है। सूर्य से भी हमने किसी के भी साथ भेदभाव नहीं करना सीखा है। इसी प्रकार दीपोत्सव हमें केवल अपने सुख में सीमित रहने की नहीं, बल्कि दूसरों के सुख-दुःख में सहभागी बनने की प्रेरणा देता है। आज के युग में इस पर्व का एक और महत्वपूर्ण संदेश है- पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी। जब हम अपने देश की मिट्टी से बने दीए जलाते हैं, स्थानीय कलाकारों द्वारा निर्मित प्राकृतिक सजावटी वस्तुओं का प्रयोग करते हैं और हरित आतिशबाजी से उत्सव मनाते हैं, तब हम न केवल प्रकृति के प्रति आभार प्रकट करते हैं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक विरासत का सम्मान भी करते हैं। वास्तव में संयमित, पर्यावरण-मित्र और स्वदेशी दीपावली ही हमारी सभ्यता की सच्ची पहचान है। दीपावली का प्रकाश हमें यह बताने का प्रयास भी करता है कि सच्चा उत्सव तभी है जब मनुष्य का मन भीतर और बाहर दोनों से प्रफुल्लित होकर सत्य, सेवा और सद्भाव की लौ से अपना दीप जलाए। तभी समाज में स्थायी उजाला संभव है,जैसा कि उपनिषदों में कहा गया है "तमसो मा ज्योतिर्गमय।"अर्थात्, हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो। अतः इस दीपावली पर केवल घर नहीं, मन भी रोशन करें, क्योंकि परिवर्तन की शुरुआत हमेशा भीतर से होती है, और वही आत्मिक प्रकाश अंततः सामाजिक प्रकाश में परिणत हो जाता है।

संपादकीय

ऐसी दरिंदगी में कैसे बचेगी बेटी कैसे पढ़ेगी बेटी?

हाल ही में एक बार फिर एक मेडिकल छात्रा के साथ पाशविकता को दोहराया गया है। पश्चिम बंगाल के बर्धमान जिले के दुर्गापुर में एक मेडिकल कॉलेज की द्वितीय वर्ष की छात्रा के साथ गैंगरेप की सनसनीखेज वारदात हुई है। पीड़िता ओडिशा के जलेश्वर की रहने वाली है। शुक्रवार रात कॉलेज परिसर के बाहर आरोपियों ने उसे अगवा कर लिया। उसे जंगल में ले जाकर अपनी हवस का शिकार बनाया। पुलिस ने हमेशा की तरह आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करके इस मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जाता है कि ये घटना उस समय हुई जब छात्रा अपनी एक सहेली के साथ रात का खाना खाने के लिए कॉलेज परिसर से बाहर गई थी। शुक्रवार रात करीब 8 से 8-30 बजे के बीच तीन युवक उनके पास पहुंचे। उन्हें देखकर छात्रा की सहेली घबरा गई और मौके से भाग निकली। इसके बाद आरोपियों ने पीड़िता का मोबाइल फोन छीन लिया और उसे जबरन पास के जंगल में ले गए। वहां तीनों ने छात्रा को अपनी हवस का शिकार बना डाला। दरिंदगी के बाद उन तीनों ने उसे धमकाया गया कि यदि उसने किसी को कुछ बताया तो अंजाम गंभीर होंगे। आरोपी जाते-जाते यह भी कह गए कि मोबाइल वापस चाहिए तो पैसे देने होंगे। इस वारदात के बाद पीड़िता की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है। उसे दुर्गापुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है।

आपको बता दें कि हाल ही में जब आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला डॉक्टर के साथ हुए दुष्कर्म और हत्याकांड की पहली बरसी पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सचिव और पश्चिम बंगाल के केंद्रीय पर्यवेक्षक अमित मालवीय ने ममता बनर्जी सरकार पर महिलाओं की सुरक्षा में विफल रहने का गंभीर आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ रहे हैं और सरकार इस दिशा में ठोस कदम उठाने में नाकाम रही है। श्री मालवीय ने सोशल मीडिया पर एक्स पर शनिवार को आंकड़ों के साथ एक बयान जारी कर कहा कि पश्चिम बंगाल महिलाओं के लिए देश के सबसे असुरक्षित राज्यों में से एक बन गया है। उन्होंने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि वर्ष 2022 में राज्य में महिलाओं के खिलाफ 34 हजार 738 अपराध दर्ज हुए, जिससे यह देश के शीर्ष पांच राज्यों में शामिल है। उनके अनुसार, राज्य की अपराध दर 7118 प्रति एक लाख आबादी है, जो राष्ट्रीय औसत 6514 से अधिक है। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि अगस्त 2024 तक पश्चिम बंगाल में बलात्कार और पॉक्सो से जुड़े 48 हजार 600 मामले लंबित है, जबकि फास्ट-ट्रैक विशेष अदालतें मौजूद है। मालवीय के अनुसार, यह ममता बनर्जी सरकार की प्रशासनिक विफलता को दर्शाता है। श्री मालवीय ने कहा, ममता बनर्जी के नेतृत्व में बंगाल की महिलाएं असुरक्षित, अनसुनी और उपेक्षित हैं। राज्य को केवल जवाब नहीं, जवाबदेही चाहिए। 2026 में उन्हें सत्ता से बाहर करना ही एकमात्र रास्ता है। उन्होंने कहा कि आरजी कर घटना के एक वर्ष बाद भी स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। गौरतलब है कि बंगाल एकमात्र ऐसा स्थान है जोकि आदिशक्ति मां दुर्गा की आराधना करने के लिए प्रसिद्ध है। वहां का दुर्गा पूजा विश्व प्रसिद्ध है। ऐसे में वहां से यह खबर आना कि एक महिला चिकित्सक के साथ वीभत्स कार्य हुआ है। यह काफी झकझोर देने वाला है। महिलाएं इस सृष्टि के सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उनके साथ ऐसा जघन्य पाप किसी भी सभ्य समाज के लिए कलंक है। बंगाल में यह पहली घटना नहीं है। कुछ महीनों पहले संदेशखाली की घटना ने भी राज्य के मुख पर कालिख पोता था। फिर सोशल मीडिया पर तमाम वीडियो डाले गए जहां जानवरों से भी ज्यादा बेकार महिलाओं के पीटा जा रहा था। उसके बाद महिला चिकित्सक से हुई यह घटना काफी निंदनीय है। यह देखकर काफी खुशी होती है कि इसके विरोध में महिलाएं सड़कों पर उतर आयीं है। हालांकि यह संघर्ष केवल महिलाओं का ही नहीं है। इसके साथ पुरूषों को भी यह समझने की जरूरत है कि स्त्रियां कोई वस्तु नहीं है। जिनका की वह उपभोग करके के छोड़ दें। उन्हें यह भी समझने की जरूरत है कि यदि रक्तबीज रूपी पिशाच उनके आवरूह को गंदा करने की कोशिश करेगा। तो वही स्त्री चंडिका का रूप घर के उनका संहार करने में सक्षम है। ममता बनर्जी खुद महिला हैं। उनको महिलाओं की वेदना समझना चाहिए। क्योंकि महिला ही यदि महिला के साथ नहीं खड़ा होगी। तो गिद्ध दृष्टि वाले उनको अपने हवस का शिकार करने के लिए तो बैठे ही हैं। इसके वाला छद्म नारीवाद का चोला पहनने वालीं स्त्रियां ही विरोध प्रदर्शन को हवा नहीं देंगी। तो यह दुष्कृत्य ऐसे ही होते रहेंगे। अगर आप सभ्यता का चोला पहनने हैं। अपने देश में महिलाओं के साथ हो रहे अन्याय पर नहीं बोलते हैं तो आप भी बराबर के अपराधी हैं। पार्टी , राजनीति, विचारधारा से ऊपर उठकर मणिपुर, संदेशखाली, हाथरस और ऐसे तमाम कृत्यों की निंदा करें। इसलिए नहीं की वह आपका व्यक्तिगत मामला नहीं है। बल्कि इसलिए की आपके अंदर मानवीय संवेदना जीवित है। आपके घर परिवार में स्त्रियां हैं। जो यह गर्व से कह सकें कि आप उस श्रेणी का हिस्सा नहीं हैं। जोकि महिलाओं को जीव कम पशु ज्यादा समझते हैं। एनसीआरबी के रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं के खिलाफ अपराधों के संदर्भ में 2022 में पश्चिम बंगाल में प्रति एक लाख की दर के हिसाब से अपराध दर 7118 थी। एनसीआरबी अपराध दर की गणना प्रति एक लाख जनसंख्या के आधार पर दर्ज करता है। यानी पश्चिम बंगाल में प्रति एक लाख महिलाओं ने 7118 अपराध के मामले दर्ज करवाए। ये आंकड़ा उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों से अधिक थी।

सवाल सिर्फ राजनीति करने का नहीं है सवाल इस देश की बेटियों की अस्मिता की सुरक्षा देने का है सवाल उस मा बाप को भरोसा देने का है जो पढ़ाने के लिए पांच सौ हजार किलोमीटर दूर अपनी बेटी को किसी मेडिकल या इंजीनियरिंग कॉलेज में भेजता है यदि बेटियों के साथ वहां ऐसी हैवानियत दरिंदगी बर्बरता की वारदातों को अंजाम दिया जाता है तो कल कौन मा बाप हिम्मत कर बेटी को घर से दूर भेजेंगे? क्या सरकार सिर्फ बयानबाजी और भोथरे नारे लगाने के

मनोज कुमार अग्रवाल

बिहार चुनाव के पूर्व आईआरसीटीसी घोटाले में लालू,राबड़ी और तेजस्वी को बड़ा झटका

पटना से दिल्ली पहुंचकर रेल मंत्री बनने के बाद लालू प्रसाद यादव में बदलाव प्रत्यक्ष और स्पष्ट दिखा था और वह परिवर्तन उनकी चाय में दूध के बजाए नींबू डाले जाने या धोबी घाट के धुले सफेद कुर्तों के बजाए फैब इंडिया शैली के रंगीन कुर्तों के पहनने जैसे उनके नए शौकों तक ही सीमित नहीं था।वह बदलाव प्रौद्योगिकी और राजनीति जैसे दो मामलों में स्पष्ट दिखता था।तेज गति से दौड़ने वाली रेलगाड़ियों और साइबरकैफे के प्रति पैदा हुए लालू के नए आकर्षण ने राजनीति के प्रति उनका समूचा दृष्टिकोण ही बदल दिया था।महारैलों और महारैलियों से हटकर उन्होंने खुद को अदालतों और सीबीआइ की ओर मोड़ दिया ।रेल भवन के आधिकारिक संसाधनों से लैस लालू राजनीतिकों को निशाना बनाने लगे थे। सार रूप में वे अलग तरह के लालू थे।उनमें आया बदलाव महज कुल्हड़ और खादी जैसे प्रतीकात्मक परिवर्तनों तक ही सीमित नहीं था। उनका लक्ष्य तो वही था, लेकिन माध्यम बदल गए थे। भाजपा लालू की अव्वल दुश्मन थी, लेकिन अतीत में उसकी ओर से अपने खिलाफ इस्तेमाल किए गए हथियारों को उसी की ओर मोड़कर वे उससे बीस साबित हो रहे थे।

याद कीजिए उस अभूतपूर्व फैसले को, जब पटना में तैनात सीबीआइ के संयुक्त सचिव उपेंद्र बिस्वास ने चारा घोटाले की जांच के दौरान लालू की गिरफ्तारी के लिए सेना को बुला लिया था। भाजपा ने बिस्वास की विवादास्पद कार्रवाई को उचित ठहराया था और फिर, राजग ने भी लालू पर प्रहार के लिए अदालतों जैसे कानूनी हथियारों का पूरा-पूरा इस्तेमाल किया था। यहां तक कि उसने बिहार में कुछ समय के लिए राष्ट्रपति शासन लगा दिया।बिहार में राजग का कुल मिलाकर चारा घोटाले को राजनीतिक रंगत देने और विस्तृत जांच की मांग की गई।चारा घोटाले में लालू दोषी पाए गए और इनको सजा भी हुई थी।

मगर लालू की किस्मत पूरी तरह पलटी खा गई थी और वे अदालतों के माध्यम से अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वियों पर पलटवार करने लगे थे।उन्होंने फरवरी 2002 में गुजरात के गोधरा में साबरमती एक्सप्रेस में लगी आग की जांच के लिए एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने के लिए कैबिनेट की मंजूरी ले ली थी। गोधरा कांड की नए सिरे से जांच का आदेश देकर लालू ने निशाना तो गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी पर साधा, लेकिन भाजपा उपाध्यक्ष सुशील मोदी के साथ वाकयुद्ध में उलझकर रह गए। सुशील मोदी की ओर से जारी एक दस्तावेज में कहा गया था कि लालू ने अपराध विज्ञान निदेशालय, गांधीनगर के सहायक निदेशक एम.एस. दहिया को अदालत में जमा की गई उनकी रिपोर्ट पर चर्चा के लिए बुलाया ।सुशील मोदी के मुताबिक, जांच से जुड़े एक महत्वपूर्ण गवाह को बातचीत के लिए बुलाने का लालू का प्रयास ,जांच को प्रभावित करने के लिए धमकाने की कोशिश थी। भाजपा ने मांग की थी कि नानावटी अब लालू को अदालत में तलब होने के लिए समन जारी करें. गुस्से में आग-बबूला हुए लालू का कहना था।लेकिन नरेंद्र मोदी के मतलब के आधिकारिक दस्तावेज बिहारी मोदी के हाथ आखिर किस तरह लग गए ?

रेल मंत्रालय ने लालू को एक चरवाहे से आधुनिकतावादी इंसान में तब्दील कर दिया था। लालू भीड़ जुटाने वाले नेता के बजाए मैक्यावली शैली की तिकड़मबाजी करने लगे थे। वे गमछाधारी ग्रामीण नहीं रह गए थे।वे एक परिष्कृत, शहरी, आत्मविश्वास से लबरेज असल राजनीतिक हो गए , जो अपने विरोधियों पर वार करने के लिए कानून के हर पहलू का इस्तेमाल कर रहे थे।

दिलचस्प बात तो यह थी कि लालू ने अपने भीतर बदलाव विरोधियों के आक्रमण की शैली से अपनाया था। वह बदलाव कोई सकारात्मक फल देगा? अगर वह केवल प्रतीकात्मक ही रहा तो कतई नहीं? जब तक रेल विभाग विकास की पटरी पर न चलते हुए उनकी आधुनिकतावादी छवि से मेल नहीं खाता, विरोधियों के खिलाफ किए गए उनके हमले महज बदले की भावना से प्रेरित नजर आते रहें।रेलवे मंत्री रहते रेल भवन में लालू ने बदले की राजनीति की थी।लालकृष्ण आडवाणी को लालू ने लिब्रहान आयोग से मांग की थी कि अनिता प्रताप को समन जारी कर यह पता लगाया जाए कि आडवाणी और उमा भारती की क्या भूमिका थी।यशवंत सिन्हा पर लालू ने वर्षो पुराना सरसो तेल घोटाला खोल दिया।नीतिश कुमार पर 200 करोड़ रु के रेलवे स्लीपर ठेके की सीबीआइ जांच पुनः कराने के आदेश दिये।नरेंद्र मोदी पर लालू ने फरवरी 2002 में गोधरा रेलवे स्टेशन पर साबरमती एक्सप्रेस जलाए जाने की जांच के लिए उच्च स्तरीय समिति गठित करने का आदेश जारी किया था।लेकिन अब चुनाव के पहले राजद सुप्रीमो लालू यादव,पत्नी राबड़ी और बेटे पर आईआरसीटीसी मामले में आरोप तय हुआ है। आरोप है कि तत्कालीन रेलवे मिनिस्टर लालू यादव ने सस्ता ठेका देकर रिश्वत में लोगो से जमीने ले ली थी।बिहार विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन का कार्य शुरू हो गया है,वही सत्ता के लिए जदोजहद कर रहे बिहार के सबसे प्रभावशाली लालू यादव को कोर्ट ने बड़ा झटका दिया। दिल्ली की आरुज एवेन्यू कोर्ट ने आईआरसीटीसी घोटाले में लालू और धर्मपत्नी राबड़ी तथा पुत्र तेजस्वी सहित 14 अभियुक्तों के खिलाफ आरोप तय कर दिए है।लालू जेल में रहते निरक्षर धर्मपत्नी राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बना दिया था।लालू जेल से सरकार चलाते थे।करोड़ो रूपये की सम्पति काफी कम कीमत पर राबड़ी देवी और तेजस्वी के नाम हस्तांतरित कर दी गई। सजा हो सकती है। तेजस्वी ने कहा कि हम कानूनी लड़ाई लड़ेंगे।

चुनाव करीब आते ही ऐसी बात होगी।क्योंकि हम यह जानते थे। तेजस्वी भी जानते है किजूठे आरोप कोई नही लगाता है। क्योंकि सबूत के आधार पर जांच होती है।हर गुनहगार ऐसी ही बात करता है।देश का कानून कहता है कि दोषी भले ही छूट जाए, लेकिन निर्दोष को सजा नही होनी चाहिए।कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि पूरी प्रक्रिया निजी भागीदारी को बढ़ावा देने की आड़ में की गई है।पूरा मामला धोखाधड़ीपूर्ण है।लालू और उमा भारती के बीच कई बार नोकझोंक होती रहती थी।उमा भारती ने कहा था कि लालू और दिग्विजय सिंह भारतीय राजनीति के सबसे बड़े जोकर है,उनके पास कहने को गम्भीर बाते नही होती है। लालू बिहार में लम्बे समय तक मुस्लिम यादव मतदाताओ पर पकड़ बनाए हुई थे,तब उनको एहसास हुआ कि इसके चलते दूसरी जातियां लालू से मुंह मोड़ने लगी थी।यह परिवार अपनी ही करनी का शिकार है।किसी दूसरे पर दोष देकर जवाबदेही से मुंह नही मोड़ा जा सकता है। कथनी और करनी के कारण लालू प्रसाद परिवार लोगो की निगाह से गिर चुके है।

कांतिलाल मांडोत

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

रंगोली प्रतियोगिता किया गया कार्यक्रम

सीतापुर आज दिनांक 14/ 10/ 2025 को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान खैराबाद- सीतापुर में प्राचार्य/ उप शिक्षा निदेशक डा0 महेंद्र प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में रंगोली प्रतियोगिता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में डीएलएड बैच 2023 एवं 2024 की प्रशिक्षुओं ने विविध प्रकार की रंगोली बनाकर अपनी रचनात्मक एवं कलात्मक कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में डीएलएड - 2023 बैच के प्रशिक्षु प्रदीप कुमार यादव, शशि, वर्मा, आकांक्षा सिंह की टीम ने प्रथम , शताक्षी सिंह, सविता भारती, बबिता राजवंशी ने द्वितीय एवं अंकिता शुक्ला, आशा देवी, वर्तिका राज, निमिष कुमार सिंह, आशना सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। डीएलएड-2024 बैच के प्रशिक्षु सुरुचि भार्गव, पूजा चौधरी, दिव्या अवस्थी, ईशा पटेल की टीम ने प्रथम, साहिबा अंजुम, सुप्रिया वर्मा, साक्षी वर्मा, रिदा रहमान की टीम ने द्वितीय एवं अनामिका राज, तान्या सिंह, प्रियांशु वर्मा, नैना ,अंकित वर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल के रूप में प्रवक्ता श्री अमित कुमार , डॉ शाह खालिद एवं श्रीमती मनीषा ने निर्णायक मंडल के रूप में कार्य किया एवं प्रवक्ता श्रीमती राजेश्वरी वर्मा ने नोडल के रूप में कार्यक्रम का सफल आयोजन किया।

एल्पिस ग्लोबल स्कूल में विद्यार्थियों के विकास हेतु चतुर्दिवशीय कार्यक्रम का धूमधाम से मनाया गया द्वितीय दिवस

बिसवां सीतापुर बिसवां शहर के एल्पिस ग्लोबल स्कूल में विद्यार्थियों के बहुमुखी विकास हेतु दिनांक 13 से 16 अक्टूबर 2023 तक चलने वाले चतुर्दिवसीय कार्यक्रम का द्वितीय दिवस आज बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस शो में विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के रोचक एवं शैक्षणिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये,छात्रों ने अपने अभिनय कौशल द्वारा सभ्य समाज को एक नई दिशा देने का संदेश दिया। इस भव्य कार्यक्रम के प्रथम दिवस में विद्यालय के डायरेक्टर उमंग राजवंशी, श्री मुदित सिंघल नें दीपप्रज्वलित करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया, तथा परिसरीय छात्रों के प्रतिभा प्रदर्शन को देखकर प्रमुदित मन से शुभाशीष देते हुए उत्कृष्ट सफल प्रदर्शन हेतु विद्यार्थियों समेत समस्त शिक्षकों को बधाई दी। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती दीपा चंद्रा नें सभी विद्यार्थियों के कला, कौशल की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए संस्था की सतत् उन्नति की कामना के साथ उपस्थित सभी शिक्षकों, अभिभावकों एवं कर्मचारियों को कार्यक्रम की सफलता हेतु आभार व्यक्त किया।

मां भगवती के श्रृंगार और भक्ति जागरण में झूमे श्रद्धालु

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के सूदनखेड़ा मोहल्ले में मंगलवार को मां भगवती का भव्य श्रृंगार और संगीतमय भक्ति जागरण का आयोजन हुआ। श्रद्धालुओं ने बड़ी श्रद्धा और आस्था के साथ मां भगवती की आरती व पूजन कर जीवन में सुख समृद्धि की कामना की। रातभर चले इस भक्तिमय कार्यक्रम में हर ओर जय माता दी के जयकारे गूंजते रहे। भक्तों ने मां के भजनों पर थिरकते हुए आनंद का अनुभव किया। मंच पर कानपुर से आए कलाकारों की ओर से प्रस्तुत की गई सुंदर झांकियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। मां दुर्गा, काली, सरस्वती और लक्ष्मी के रूपों का अद्भुत प्रदर्शन देखने को मिला। कार्यक्रम में स्थानीय श्रद्धालुओं के साथ बाहर से आए भक्तों ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया। पूरे आयोजन स्थल को फूलों और रोशनी से सजाया गया था। इससे वातावरण भक्तिमय बना रहा। इस अवसर पर विजय सोनी धून, सरवन, राजकुमार, शिवम, शुभम सोनी, गोपाल जी गुप्ता, विवेक शर्मा, रोहित सोनी, मृत्युंजय बाजपेई, दीपचंद गुप्ता, राहुल भदौरिया, नितिन वर्मा, विपिन और राहुल गुप्ता सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

महीनों से रास्ते पर भरा बारिश व नालियों का गंदा बदबूदार पानी

● खड़ञ्जा नीचा होने से भरता है पानी,800 की आबादी प्रभावित,किसी समय भी फैल सकता है संक्रमण।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां (सीतापुर)। कई वर्षो से निरन्तर गांव के अंदर मुख्य रास्ते पर थोड़ी सी बारिश होने पर रास्ते पर बारिश तथा नालियों से निकलने वाला गंदा पानी जमा हो जाता है जिससे भारी कीचड़ बन जाता है?। जिसमें होकर निकलना ग्रामीणों के लिए मुश्किल का सबब बन गया है लेकिन ग्राम पंचायत सदस्य व ग्राम प्रधान सहित ग्राम पंचायत सचिव इस ओर कोई भी ध्यान नहीं दे रहे हैं।

मामला बिसवां विकास खण्ड की ग्राम पंचायत जहांगीराबाद का है? जहां सीतापुर-बहराइच मार्ग पर पोस्ट आफिस तथा श्याम श्री हास्पिटल के बीच से होकर पश्चिम की ओर गांव के अन्दर अनुसूचित जाति की बस्ती तक एक इंटरलाकिंग खड़ञ्जा जाता है। इस मार्ग पर एक मस्जिद व एक अस्पताल खान क्लीनिक के रूप में तथा गुलशन प्लाईवुड प्रोडक्ट एवं दरी फैक्ट्री स्थित है।

यह मार्ग आसपास के बाशिंदों के लिए नरक बना हुआ है। खड़ञ्जा नीचा होने से बारिश तथा नालियों से निकलने वाले पानी की निकास न होने से कई महीनों से गंदा पानी रास्ते पर भरा हुआ है। काफी दिनों से गंदा पानी भरा रहने से अब उसमें दुर्गंध आने लगी है। किसी भी समय आसपास के घरों में रहने वालों में संक्रमण फैल सकता है। इसी पानी में होकर लोगों को अपने घरों, अस्पताल,मस्जिद व दरी व प्लाईवुड फैक्ट्री जाना मजबूरी हो गया है।इस संबन्ध में ग्राम प्रधान से लेकर ग्राम पंचायत विकास अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी, उपजिलाधिकारी, जिलाधिकारी तथा मुख्यमंत्री से गुहार लगाई जा चुकी है लेकिन किसी ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। ग्रामीणों का कहना है कि अगर ग्राम पंचायत द्वारा इस मार्ग की पटाई कराकर दोनों ओर पक्की गहरी नालियां बनवा दी जायें तो यह समस्या काफी हद तक सुधर जायेगी। इस समय मौसम भी सही है अगर देरी की गयी तो बरसात में समस्या ज्यादा विकट हो जायेगी।अभी भी लगभग एक दर्जन घरों के सामने पानी भरा हुआ है। पानी भरा रहने से नलों का पानी प्रदूषित हो गया है। डा0 वकील अहमद खान, मो0 कलीम,चांद बाबू, असगर मुल्ला, अजय पाल सिंह, नाजिर, साजिद, इमरान, मुन्ना, अशफाक, शकील, बबलू व आरिफ आदि दर्जनों लोगों ने इस मार्ग पर मिट्टी की पटाई कराकर मार्ग ऊंचा कराकर दोनों ओर पक्की नालियां बनवाये जाने तथा ऊंचा खड़ञ्जा लगवाये जाने की मांग की है। इस सम्बन्ध में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मुनीर अहमद अंसारी ने बताया कि यह कार्य कार्ययोजना में है। इस समय मजदूर नहीं मिल रहे हैं, जैसे ही मजदूरों की उपलब्धता होगी इस समस्या का समाधान करा दिया जायेगा। इस बारे में ग्राम विकास अधिकारी शैलेन्द्र भार्गव ने बताया कि जल्द ही रास्ते पर भरे पानी को पंपिंग सेट के माध्यम से निकाल दिया जायेगा तथा अतिशीघ्र इस समस्या का कोई ठोस समाधान तलाश लिया जायेगा।

ई-रिक्शा सवार टप्पेबाजों ने बुजुर्ग महिला के आभूषण ले उड़े

सीसीटीवी फुटेज़ की मदद से जांच-पड़ताल की जा रही-इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार सिंह

लालगंज रायबरेली। कस्बे के करुणा बाजार चौराहे पर एक महिला टप्पेबाजी का शिकार हो गई। ई रिक्शा सवार टप्पेबाज महिला को बरगलाकर उसके कान के झुमके व अंगूठी लेकर रफू चक्कर हो गए। पीड़ित महिला ने पुलिस को तहरीर दी है। कस्बे के बाईपास रोड मोहल्ला निवासिनी राजेश्वरी (65) पत्नी नंदकिशोर कुछ काम से बैंक ऑफ़ बड़ौदा शाखा आई थी। जैसे ही वह बैंक शाखा से बाहर निकली ई रिक्शा पर बैठे दो युवकों ने उसे रोक लिया। महिला ने बताया कि आरोपी युवकों पता नहीं क्या किया कि उसने अपने कान के झुमके में अंगूठी उतार कर स्वयं दे दिए। थोड़ी देर बाद उसे अपने साथ हुई घटना का पता चला। इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि सीसीटीवी कैमरा की मदद से पड़ताल की जा रही है। आरोपियों को जल्द ही पकड़ा जाएगा।

केकेसी लखनऊ और डेस्ट्रो क्लब जौनपुर फाइनल में आमने-सामने

● महिला वर्ग का खिताबी मुकाबला कैमूर बिहार और आजमगढ़ के बीच होगा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के बैसवारा इंटर कॉलेज खेल मैदान में चल रहे नेताजी मुलायम सिंह यादव स्मृति फुटबॉल टूर्नामेंट में मंगलवार को हुए रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबलों में फाइनल की तस्वीर साफ हो गई। पुरुष वर्ग के सेमीफाइनल में केकेसी लखनऊ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रतिद्वंदी टीम को मात देकर फाइनल में प्रवेश किया। अब खिताबी मुकाबला केकेसी लखनऊ और डेस्ट्रो क्लब जौनपुर के बीच खेला जाएगा। दोनों ही टीमें पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन खेल दिखाती रही हैं। इससे फाइनल मैच रोमांच से भरपूर रहने की उम्मीद है। महिला वर्ग के सेमीफाइनल में गोरखपुर और डीएफए आजमगढ़ की टीमें आमने सामने हुईं। पहले हाफ में मुकाबला गोलरहित रहा। लेकिन दूसरे हाफ में डीएफए आजमगढ़ की ओर से दो गोल किए गए। इसके साथ ही महिला वर्ग का फाइनल कैमूर बिहार और डीएफए आजमगढ़ के बीच खेला जाएगा।मैच देखने के लिए मैदान में दर्शकों की अच्छी खासी भीड़ जुटी। इस मौके पर प्रो. अरुण कुमार सिंह मुन्ना, प्रो. पुष्पा बरनवाल, वृंदावन यादव, हरिओम मिश्रा, दीपक सिंह, दिलीप यादव, अरविंद यादव और आशीष यादव समेत कई खेलप्रेमी मौजूद रहे।

न्यू स्टैण्डर्ड पब्लिक स्कूल में प्रथम टर्म की शिक्षक अभिभावक गोष्ठी हुई सम्पन

लालगंज, रायबरेली- शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित न्यू स्टैण्डर्ड पब्लिक स्कूल, लालगंज में उत्साह और उमंग के साथ शिक्षक अभिभावक गोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य शिवांग अवस्थी द्वारा अभिभावकों के साथ माँ सरस्वती की पूजा-अर्चना से किया गया। इस अवसर पर प्री-प्राइमरी से सीनियर विंग के विद्यार्थियों ने अपने विषय शिक्षकों के सहयोग से सामाजिक विज्ञान, गणित, विज्ञान, तथा आर्ट एंड क्राफ्ट के मॉडल प्रदर्शित किए। अभिभावकों ने विभिन्न मॉडलों का अवलोकन करते हुए विद्यार्थियों से संवाद भी किया और उनके आत्मविश्वास एवं अभिव्यक्ति कौशल की सराहना की। अधिकांश अभिभावक अपने बच्चों की प्रगति से संतुष्ट और प्रसन्न दिखाई दिए। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएँ एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

बुजुर्ग की हत्या का मामला पिता- पुत्र समेत चार आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ़्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में बीते शनिवार को जमीनी विवाद को लेकर दबंगों द्वारा एक व्यक्ति की घर में खींचकर हत्या किए जाने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है पुलिस ने इस मामले में नामजद आरोपियों में से चार लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजने की कार्रवाई की है। रविवार को परिजनों ने आरोपियों पर कार्रवाई को लेकर सड़क जाम कर प्रदर्शन किया था।

आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद मृतक के परिजनों ने थोड़ी राहत की सांस ली है मालूम हो कि ग्राम बढ़ईया में रास्ते के विवाद को लेकर वर्ष 2021 से विवाद चल रहा था। मृतक कौशल मिश्रा के बेटे आदित्य के अनुसार शनिवार को कोर्ट से सम्मन आने के दौरान विपक्षी शिवनाथ, प्रमोद और राकेश ने मृतक को रास्ते से खींचकर घर में ले गए। जहां धारदार हथियार से ताबड़तोड़ प्रहार कर मरणासन्न हालत में छोड़कर फरार हो गए उपचार के दौरान मौत के बाद जब रविवार को शव घर पहुंचा तो परिजनों ने आरोपियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर सड़क जाम कर हंगामा किया पुलिस ने जल्द कार्रवाई का आश्वाशन दिया जिसके बाद आरोपियों की धरपकड़ शुरू की सीओ महोली नागेंद्र चतुर्वेदी ने बताया कि हत्या के मामले में शामिल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है जिसमें चारों आरोपी पिता पुत्र है गिरफ्तार अभियुक्तों के नाम राकेश पुत्र शिवनाथ मिश्रा, प्रमोद पुत्र शिवनाथ मिश्रा, राकेश पुत्र शिवनाथ और युग्गांक उर्फ अजय पुत्र प्रमोद कुमार निवासीगण ग्राम बढैया थाना महोली के निवासी है पुलिस का कहना है कि मामले की विवेचना की जा रही है और तथ्य मिलने के बाद आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी!!

सावी वेलफेयर सोसाइटी ने "नन्हे सितारे उत्सव" में बच्चों के चेहरों पर खिलाई मुस्कान

● ......उच्च प्राथमिक विद्यालय रामपुर गढ़ी जमुनी में आयोजित प्रतियोगिताओं में बच्चों ने दिखाया हुनर, विजेताओं को दिए गए इनाम।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
विनीत कुमार मिश्रा

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज क्षेत्र स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय रामपुर गढ़ी जमुनी में सावी वेलफेयर सोसाइटी द्वारा "नन्हे सितारे उत्सव" कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। संस्था ने सामाजिक सरोकारों की मिसाल पेश करते हुए विद्यालय के बच्चों के लिए रंग भरो प्रतियोगिता, कविता प्रतियोगिता और दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन कराया। प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लेने वाले बच्चों को उनके प्रदर्शन के आधार पर प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ और पंचम स्थान पर आने पर पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों का मनोबल बढ़ाने के लिए संस्था की ओर से समोसे और केले का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के प्रधानाचार्य को संस्था की ओर से सम्मान स्वरूप मोमेंटो देकर की गई। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों और ग्रामीणों ने सावी वेलफेयर सोसाइटी की इस पहल की सराहना की और कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों की प्रतिभा को निखारने के साथ-साथ समाज में आपसी सहयोग और सकारात्मक सोच को भी मजबूत करते हैं।

सावी वेलफेयर सोसाइटी की सदस्य प्राची ने बताया कि संस्था का उद्देश्य केवल बच्चों को शिक्षा और मनोरंजन के माध्यम से प्रोत्साहित करना ही नहीं, बल्कि समाज में जागरूकता और मानवीय संवेदनाओं को बढ़ावा देना भी है। उन्होंने कहा, "हमारी कोशिश रहती है कि गांव-गांव जाकर बच्चों और युवाओं में आत्मविश्वास और रचनात्मकता को बढ़ावा दें। सावी वेलफेयर सोसाइटी भविष्य में भी ऐसे आयोजन करती रहेगी, जिससे समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सके।" इस मौके पर ग्राम प्रधान डॉ. सत्य प्रकाश, संस्था के अध्यक्ष गौरव सिंह, सचिव कुंवर यश, सदस्य आदर्श चतुर्वेदी, आत्मिका पांडे, उजैरा, ज्योत्सना शुक्ला, एच.आर. काजल यादव, प्राची, अंशु, पूजा यादव, शशि, अंजलि, नमिता सहित अनेक जागरूक ग्रामीण उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग दिया।

सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल का सिसेंडी में हुआ भव्य स्वागत, कार्यकर्ताओं में दिखा जबरदस्त उत्साह

● ......मोहनलालगंज क्षेत्र में कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत में दिखाया जोश, बोले-बूथ स्तर तक करेंगे संगठन को मजबूत।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल का मंगलवार को मोहनलालगंज क्षेत्र के सिसेंडी कस्बे में पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। उनके आगमन पर पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं में जोश और ऊर्जा का संचार दिखा। प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत में ढोल-नगाड़ों और नारों की गूंज से पूरा कस्बा गूंज उठा। ग्राम प्रधान धनुवांसाड़ कृष्ण शरणं प्रद्युम्न सिंह ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल उन्नाव जाते समय जब सिसेंडी पहुंचे, तो सेक्टर अध्यक्ष इमरान खान ने अपने आवास पर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं के साथ उनका भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सपा पदाधिकारी, समर्थक और ग्रामीण मौजूद रहे जिन्होंने फूलमालाओं से उनका अभिनंदन किया।

अपने संबोधन में प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी आने वाले विधानसभा चुनाव में पूरी मजबूती से मैदान में उतरेगी और जनता के सहयोग से एक बार फिर प्रदेश में समाजवादी सरकार का गठन करेगी। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत और जनता के भरोसे से ही सपा का जनाधार लगातार मजबूत हो रहा है। साथ ही उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त करने और जनता से सीधा जुड़ाव बनाए रखने का आह्वान किया।

वहीं, सपा कार्यकर्ताओं ने भी प्रदेश नेतृत्व के प्रति आभार जताते हुए संकल्प लिया कि वे आगामी चुनावों में पार्टी को मजबूती से आगे ले जाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। कार्यकर्ताओं ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष के मार्गदर्शन में सपा एकजुट होकर मिशन 2027 की ओर बढ़ रही है और जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए पूरी तरह तैयार है।

स्वागत कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ग्राम प्रधान धनुवांसाड़ कृष्ण शरण प्रद्युम्न सिंह , हरिनाम यादव (प्रधान प्रतिनिधि), शकील खान, अरसद खान, जगदीश यादव, चन्नी, सुल्तान, दिलशाद, कय्या, शब्बन खान, राकेश यादव मास्टर, अबरार खान और राजन यादव (प्रदेश सचिव, छात्र सभा) सहित अनेक समाजवादी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मलिहाबाद में दर्दनाक हादसा नहर की सड़क पर पलटा ऑटो, चालक की मौत, दो घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद। मलिहाबाद कोतवाली क्षेत्र के भदेसरमऊ गांव में सोमवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हुआ जिसने एक परिवार की खुशियाँ छीन लीं। एक इलेक्ट्रिक ऑटो अनियंत्रित होकर नहर की सड़क पर पलट गया जिसके कारण ऑटो चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके दो साथी घायल हो गए। मृतक चालक की पहचान भूपेंद्र (25), निवासी केड़ौरा गांव, थाना माल क्षेत्र के रूप में हुई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार भूपेंद्र अपने साथी अजय और मुकेश के साथ भदेसरमऊ में सवारी उतारकर मुकेश के मामा के घर जा रहे थे।?पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बारिश के कारण बने एक गहरे गड्ढे में ऑटो का पहिया फंस गया। इसके चलते वाहन तेजी से अनियंत्रित हुआ और पलट गया। हादसे में चालक भूपेंद्र को गंभीर चोटें आई।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही इंस्पेक्टर मलिहाबाद सुरेंद्र सिंह भाटी पुलिस टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को सीएचसी मलिहाबाद पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने भूपेंद्र को मृत घोषित कर दिया। राहत की बात यह रही कि उनके साथी अजय और मुकेश को हल्की चोटें ही आई हैं। हादसे की खबर मिलते ही मृतक के भाई शिवमूरत और अन्य परिजन अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले में आगे की आवश्यक कानूनी कार्यवाही कर रही है।

रामलीला मंत्रमुग्ध हुए दर्शक,श्री राम के जयकारों से गूंज उठा प्रांगण

● श्री महर्षि दधीचि रामलीला न्यास समिति के द्वारा आयोजित रामलीला महोत्सव का सांसद , विधायक ने किया शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिश्रिख (सीतापुर) मिश्रिख के मेला मैदान में सोमवार को श्री महर्षि दधीचि रामलीला न्यास समिति के द्वारा आयोजित रामलीला महोत्सव का भव्य शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि सांसद अशोक रावत, क्षेत्रीय विधायक रामकृष्ण भार्गव व एमएलसी पवन सिंह चौहान ने दीप प्रज्वलित कर मिश्रिख की रामलीला का उद्घाटन किया। न्यास समिति के सदस्यों ने सांसद अशोक रावत , क्षेत्रीय विधायक रामकृष्ण भार्गव व एमएलसी पवन सिंह चौहान, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला का राजीव ओझा, रामबक्स सिंह, संजय राठौर देवेश पांडेय, भास्कर मिश्रा, फूल मालाओं और प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत सम्मान किया।

कार्यक्रम में न्यास समिति के अध्यक्ष राजीव ओझा , संयोजक अधिवक्ता रामबक्स सिंह ने सीडीओ अपर्णा ऐश्वर्य, डीपीआरओ निरीशचंद्र साहू ,एसडीएम शैलेन्द्र कुमार मिश्रा,कोतवाल अरविंद कुमार सिंह, व संत महात्माओं का स्वागत सम्मान किया। इस दौरान विधायक रामकृष्ण भार्गव ने कहा कि रामलीला के मंचन से लोगों में भगवान राम के प्रति सद्भावना उत्पन्न होती है।उन्होंने सभी से प्रभु श्री राम के आदर्शो पर चलने का आव्हान किया। इसके बाद रामलीला का श्री गणेश की मनमोहक झांकी से शुरू हुआ, जिसमें दर्शक लोग रामलीला देख मुग्ध हो गए।

श्री महर्षि दधीचि रामलीला न्यास समिति के द्वारा आयोजित प्रथम रात्रि में रामलीला में राम जन्म और ताड़का वध का प्रभावशाली मंचन किया । ब्राइट फ्यूचर एकेडमी दिल्ली के कलाकारों ने राजा दशरथ और मंत्री सुमंत के बीच रघुवंश के उत्तराधिकारी की चिंता को लेकर मार्मिक संवाद हुआ। महारानी कौशल्या के मत के बाद राजा दशरथ अपने गुरु वशिष्ठ से सलाह लेने पहुंचे। उन्हें श्रृंगी ऋषि के द्वारा पुत्रयज्ञ करवाने का परामर्श दिया। यज्ञ के बाद अग्निदेव की कृपा से राजा दशरथ को चार पुत्रों की प्राप्ति हुई। इससे अयोध्या में खुशियों की लहर दौड़ गई। इसके बाद विश्वामित्र यज्ञ की रक्षा के लिए राम और लक्ष्मण को अपने साथ ले गए। मार्ग में राम और लक्ष्मण ने ताड़का का वध कर असुरों का विनाश किया। इसके बाद मंचन में विश्वामित्र के साथ जनकपुरी पहुंचकर प्रभु श्रीराम व लक्ष्मण ने नगर की भव्यता को देखा। पुष्पवाटिका में पहली बार माता सीता और श्रीराम का मिलन हुआ। तदपश्चाद राजा जनक ने स्वयंवर की घोषणा की। इसमें शिव धनुष उठाने की शर्त रखी गई। मंचन में रावण की अहंकारपूर्ण उपस्थिति ने वातावरण को गंभीर बना दिया। श्रीराम ने सहज भाव से शिव धनुष को उठाकर प्रत्यंचा चढ़ाई और धनुष भंग हो गया। इसके बाद सीताजी ने श्रीराम को वरमाला पहनाई। भगवान श्रीराम के गले में माता सीता ने वरमाला डाली तो पूरा परिसर जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। देवताओं ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। इस अवसर पर महंत संतोष दास खाकी ,ब्लॉक प्रमुख रामकिंकर पाण्डेय, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि मुनींद्र अवस्थी, गन्ना चीनी मिल के चेयरमेन रामगोपाल अवस्थी, हजारों दर्शक लोग मौजूद रहे।

यूपी ट्रेड शो स्वदेशी मेला में चित्रकला एवं स्पीच प्रतियोगिता किया गया आयोजन

● छात्राओं को प्रमाण पत्र देकर किया गया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रायबरेली, उपयुक्त उद्योग परमहंस मौर्य ने बताया है कि जी.आई.सी. ग्राउण्ड ?द्वितीय मैदान में 09-18 अक्टूबर तक यूपी ट्रेड शो 2025 स्वदेशी मेले का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मेले में जनपद स्तर पर उत्पादित स्थानीय एवं स्वदेशी वस्तुओं के स्टॉल लगाए गए हैं। मेले में आज आम जन की भारी भीड़ देखने को मिली। सबसे अधिक भीड़ स्वयं सहायता समूह के स्टॉल पर रही जहां लोगो ने आचार एवं अन्य खाद्य उत्पादों की बड़े पैमाने पर खरीददारी की। कस्तूरबा गांधी आवासीय वि?द्यालय की छात्राएँ भी मेले का हिस्सा बनी एवं उनके द्वारा अपनी रुचि के अनुसार सामाग्री क्रय की गयी। मेले में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की छात्राओं के बीच चित्रकला एवं स्पीच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें चित्रकला प्रतियोगिता में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय सलोन की छात्रा मधु को प्रथम, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय गौरा की छात्राओं अंकिता एवं सौम्या को द्वितीय एवं कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय बछरावां की छात्राओं ललिता एवं मीनाक्षी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

स्पीच प्रतियोगिता में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, अमावां की छात्रा साधना निर्मल को प्रथम, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय सलोन, की छात्रा महक यादव को द्वितीय एवं कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, बछरावां को छात्रा मीनाक्षी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केंद्र, रायबरेली परमहंस मौर्य बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह एवं अग्रणी जिला प्रबन्धक रूपेश दुबे द्वारा संयुक्त रूप से मोमेंटो प्रदान कर छात्राओं को सम्मानित किया गया।

बेसिक शिक्ष अधिकारी राहुल सिंह द्वारा छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुये कहा गया कि सभी छात्राओं द्वारा चित्रकला एवं स्पीच प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ठ प्रदर्शन किया गया है उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्य द्वारा कहा गया कि मेले के उद्देश्य से संबन्धित रोल प्ले, पेंटिंग एवं स्पीच आदि छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किए गए जो अत्यंत प्रभावशाली रहा। मेले में उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्य बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह एवं अग्रणी जिला प्रबन्धक रुपेश दुबे सहित बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरने का संघर्ष जारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मुजफ्फरनगर। दिनाँक 6 अक्टूबर 2025 से उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ जनपद मुजफ्फरनगर द्वारा जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर चल रहे अनिश्चितकालीन धरने पर आज दिनाँक 14/10/2025 को भी संघर्ष जारी रहा। धरने की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष डॉ0 अमित कुमार जैन ने बताया कि कार्यालय जिला विद्यालय निरीक्षक तथा वित्त एवं लेखा अधिकारी (माध्यमिक) के द्वारा मनमाने ढंग से काम करने की शैली का आलम यह है कि इतने दिनों से शिक्षक धरने पर बैठे हैं परन्तु किसी अधिकारी कर्मचारी पर इसका कोई प्रभाव नजर नहीं आता है यदि जल्द ही समस्याओं का निस्तारण नहीं किया जाता तब अगले चरण का आन्दोलन किया जाएगा। प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिला संरक्षक शिवकुमार यादव ने शिक्षकों के प्रकरणों का निस्तारण न होने की दशा में प्रान्तीय स्तर पर आन्दोलन की चेतावनी दी तथा साथियों से शान्तिपूर्ण धरना देने की अपील की। जिला मंत्री अरुण कुमार ने जनपद के विभिन्न प्रकरणों की ओर अपना ध्यान आकृष्ट कराया। धरने को जनपद मेरठ के जिलाध्यक्ष गजेन्द्र कुमार वर्मा एवं उनके साथियों ने भी सम्बोधित किया तथा कहा कि आवश्यकता पडने पर सहारनपुर एवं मेरठ दोनो मण्डलो के शिक्षक/शिक्षिकाएं भी धरने पर उपस्थित हो जायेगें। धरने पर आज जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार श्रीवास महोदय उपस्थित हुए उनके सम्मुख जनपद के शिक्षक/शिक्षिकाओं की समस्याओं को विस्तारपूर्वक बताया गया परन्तु वार्ता विफल हुई और धरने पर उपस्थित समस्त शिक्षक/शिक्षिकाओं ने एकमत होकर कहा कि जब तक एक- एक समस्या का समाधान नही हो जाता तब तक अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा। धरने में मुख्य रूप से जिला कोषाध्यक्ष संजय कुमार मोघा, प्रवीण कुमार शर्मा प्रधानाचार्य, राजेन्द्र सिंह, संजीव त्यागी, सुनील कुमार त्यागी, धर्मपाल, सुरेन्द्र सिंह, सुभाष चंद्र, राजेश कुमार, हेमन्त बिश्नोई, अमित कुमार वर्मा, आदित्य गोयल, मानपाल सिंह, ऋषिपाल शर्मा (मेरठ), एम0एस0 राणा (मेरठ), अक्षय कुमार राय, मुकेश भारद्वाज, पदमाकर यादव, गौरव शर्मा, अजय त्यागी, डा0 अमन कुमार, सर्वेश कुमार, जय प्रकाश सरोज, प्रशान्त आदि सैकडो शिक्षक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

बुजुर्ग हो या गर्भवती महिलाएं कोई ना चुके वोट

विजयीपुर में आंगनबाड़ी सेविकाओं ने वोटरों को किया जागरूक

गोपालगंज (बिहार)- आगामी 6 नवंबर को होने वाले चुनाव को लेकर स्वीप कोषांग के पहल पर सभी विभाग मतदाता जागरूकता से जुड़ी गतिविधियों का आयोजन कर रहे हैं. इसी क्रम में मंगलवार को भोरे प्रखंड में समेकित बाल विकास परियोजना की ओर से विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्र तथा विद्यालयों में जागरूकता से जुड़ी गतिविधियों का आयोजन किया गया. कुछ आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोषण माह से जुड़ी प्रदर्शनी लगाई गई और वहां आई गर्भवती महिलाओं व अन्य महिलाओं को वोट के प्रति जागरूक किया गया. कहीं आंगनबाड़ी सेविकाओं ने समूह बनाकर रैली निकाली और गांव के वोटरों को जागरूक किया. आंगनबाड़ी सेविकाओं ने लोगों से बताया 6 नवंबर को सभी जरूरी काम छोड़कर पहले मतदान करें. बुजुर्ग और गर्भवती महिलाओं को भी मतदान केंद्र पर पहुंचने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि उनके लिए मतदान केंद्र पर हर तरह की सुविधा उपलब्ध रहेगी. भोरे प्रखंड की बाल विकास परियोजना पदाधिकारी किरण कुमारी ने बताया कि मतदाता जागरूकता से संबंधित गतिविधियों का आयोजन आगे भी होता रहेगा इसको लेकर सभी आंगनबाड़ी सेविकाओं का आवश्यक दिशा निर्देश दे दिए गए हैं..

6 नवंबर को पहले मतदान, उसके बाद करेंगे कोई काम

गोपालगंज क्लब में आयोजित कार्यक्रम में खिलाड़ियों ने लिया मतदान और मतदाता जागरूकता का संकल्प

गोपालगंज- बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर गोपालगंज जिले में आगामी 6 नवंबर को वोटिंग होनी है। जिले में वोटिंग का प्रतिशत अधिक से अधिक हो, इसको लेकर स्वीप कोषांग की ओर से लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को शहर के गोपालगंज क्लब में खिलाड़ियों के बीच वोटर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वीप कोषांग के नोडल पदाधिकारी सह डीआरडीए के निदेशक राकेश कुमार चौबे, सहायक नोडल पदाधिकारी सुभाष पांडेय तथा अंकित कुमार ने संयुक्त रूप से किया.

इसके बाद अतिथियों ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए मतदान के महत्व पर चर्चा की। 18 वर्ष की आयु पूरे कर चुके खिलाड़ियों से मतदान की अपील की गई. वहीं इससे कम उम्र के खिलाड़ियों से अपने अभिभावकों को जागरूक करने की अपील की गई. खिलाड़ियों ने हाथ सेल्फी तथा प्ले कार्ड के साथ फोटो भी खींच तथा मतदान के महत्व पर अपने विचार भी दिए। मौके पर खेल विभाग के राजीव कुमार सिंह, कोच विनीत शर्मा तथा स्वीप कोषांग से जुड़े अन्य कर्मी भी मौजूद रहे।

वरिष्ठ अधिवक्ता राजेन्द्र सिंह सिसौदिया के आकस्मिक निधन से नगर में शोक की लहर

महरौनी। नगर के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं समाजसेवी प्रवृत्ति के धनी राजेन्द्र सिंह सिसौदिया एडवोकेट के आकस्मिक निधन से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। उनके निधन की खबर मिलते ही अधिवक्ताओं, व्यापारियों और समाजसेवियों में गहरा दुःख छा गया। स्वभाव से अत्यंत मिलनसार और मददगार सिसौदिया जी ने अपने व्यवहार से सभी वर्गों में विशेष स्थान बनाया था। उनके निधन को समाज ने अपूर्णीय क्षति बताया है। बार एसोसिएशन महरौनी ने शोकसभा आयोजित कर श्रद्धांजलि अर्पित की और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा। इसी क्रम में उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल, वैश्य समाज व्यापार सभा, श्रीरामयश कीर्तन मंडली, ब्राह्मण महामंडल, दिगंबर जैन पंचायत कमेटी तथा मुक्ति संस्था सहित अनेक सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों ने अपनी शोक संवेदनाएँ व्यक्त कीं।

धनपुरी नगरपालिका में लोकायुक्त का बड़ा छापा- एएसआई और कर्मचारी 3 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शहडोल। मध्यप्रदेश के शहडोल जिले की धनपुरी नगरपालिका में सोमवार को उस वक्त हड़कंप मच गया जब रीवा लोकायुक्त की टीम ने भ्रष्टाचार के जाल में फंसे एक पुलिसकर्मी और नगरपालिका कर्मचारी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई धनपुरी थाना क्षेत्र में की गई, जहां सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) इंद्र बहादुर सिंह (आईबी) और नगरपालिका के स्थायी कर्मचारी रज्जन चौधरी को 3 हजार रुपए की रिश्वत लेते पकड़ा गया।

सूत्रों के अनुसार, यह रिश्वत धनपुरी नगरपालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 2 निवासी योगेंद्र वर्मा से ली जा रही थी। वर्मा ने अपने घर के भवन निर्माण की स्वीकृति के लिए आवेदन दिया था, लेकिन अधिकारी और कर्मचारी ने फाइल पास करने के बदले 10 हजार रुपए की मांग कर दी। बाद में मोलभाव के बाद सौदा 5 हजार रुपए में तय हुआ।

पीड़ित योगेंद्र वर्मा ने इस भ्रष्टाचार की शिकायत रीवा लोकायुक्त पुलिस से की। शिकायत की जांच के बाद लोकायुक्त की 15 सदस्यीय टीम ने सोमवार को धनपुरी में जाल बिछाया। पहले किस्त के रूप में 2 हजार रुपए पहले ही दिए जा चुके थे, और जैसे ही शेष 3 हजार रुपए की दूसरी किस्त एएसआई इंद्र बहादुर सिंह ने ली, लोकायुक्त की टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

लोकायुक्त की टीम ने मौके से रिश्वत की रकम बरामद की और दोनों आरोपियों को पकड़कर रीवा ले जाया गया है। बताया जा रहा है कि इस कार्रवाई के दौरान नगर पालिका परिसर और थाना क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। लोकायुक्त सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तार दोनों आरोपियों पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है।

वहीं, सूत्रों का कहना है कि धनपुरी नगरपालिका में लंबे समय से रिश्वतखोरी और दलाली का खेल चल रहा था, जिसकी शिकायतें लगातार मिल रही थीं। लोकायुक्त टीम की यह कार्रवाई पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। अब देखना होगा कि नगरपालिका में फैले भ्रष्टाचार के इस जाल में और कौन-कौन से नाम सामने आते हैं।

घर के बाहर बैठी महिला से मारपीट कर धमकी देने के आरोप, मामला दर्ज

ललितपुर। महरौनी क्षेत्र के ग्राम सैदपुर में एक महिला के साथ घर के बाहर बैठे हुए गाली-गलौज और मारपीट की घटना सामने आई है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पीड़िता रीना पाल पुत्री संतोष पाल, निवासी ग्राम सैदपुर ने बताया कि 12 अक्टूबर 2025 की शाम 7 बजे वह अपने घर के बाहर बैठी थी। इसी दौरान गांव के ही श्रीपाल पुत्र गुलन सिंह पाल, राकेश पुत्र सावरेन सिंह लोधी और सौरभ सिंह पुत्र सुबरन सिंह लोधी वहां पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर उन्होंने मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। कोतवाली महरौनी पुलिस ने तीनों के खिलाफ आईपीसी की धाराओं 115(2), 352, 351(3) में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कृषि यंत्रों के लिए किसान भाई करें आवेदन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। उप कृषि निदेशक ने किसानों को अवगत कराया है कि वर्ष 2025-26 में कृषि विभाग द्वारा संचालित सब मिशन ऑन एग्रीकल्वरल मैकेनाईजेशन योजनान्तर्गत कस्टम हायरिंग सेंटर, कृषि ड्रोन एवं अन्य एकल यंत्र तथा प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्वरल मैकेनाईजेशन फॉर इन सीटू मैनेजमेन्ट ऑफ क्रॉप रेजिड्यू योजना के अन्तर्गत फसल अवशेष प्रबन्धन के एकल कृषि यंत्र एवं विभागीय अन्य योजनाओं के कृषि यंत्र, कृषि रक्षा उपकरण इत्यादि पर अनुदान प्राप्त करने हेतु ऑनलाइन बुकिंग 15 अक्टूबर 2025 को पूर्वान्ह 11 बजे से प्रारम्भ होगी, जो 29 अक्टूबर 2025 को रात्रि 12 बजे तक (कट ऑफ डेट) तक की जायेगी। बुकिंग हेतु विभागीय पोर्टल पर किसान कॉर्नर के अन्तर्गत यंत्र बुकिंग प्रारंभ पर क्लिक कर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। यंत्रों का विवरण, यंत्र बुकिंग एवं अनुदान प्रक्रिया से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी विभागीय पोर्टल पर उपलब्ध है। आवेदक द्वारा एक मोबाइल नम्बर अथवा अपने परिवार के ब्लड रिलेशन सदस्य (माता, पिता, भाई, बहन. पुत्र. पुत्री एवं पुत्र वधु) से ही टोकन प्राप्त किया जा सकेगा। दस हजार से एक लाख तक अनुदान के कृषि यंत्रों के लिए जमानत राशि ढ़ाई हजार रुपये होगी। 1 लाख से अधिक अनुदान के कृषि यंत्रों के लिए जमानत राशि पांच हजार रुपये होगी। 27 जून 2025 से 12 जुलाई 2025 के मध्य हुई बुकिंग में जिन किसानों ने सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाईजेशन योजनान्तर्गत कस्टम हायरिंग सेंटर, हाईटेक हब फॉर कस्टम हायरिंग एवं कृषि ड्रोन तथा प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्वरल मैकेनाईजेशन फॉर इन सीटू मैनेजमेन्ट ऑफ क्रॉथ रेजिड्यू योजनान्तर्गत कस्टम हायरिंग सेंटर हेतु आवेदन कर चुके है. उन्हें फिर से आवेदन करने की आवश्यकता है।

दियारा क्षेत्रों में सघन छापेमारी की तैयारी

● 6 नवंबर को गोपालगंज की सभी छह विधानसभा सीटों पर होना है मतदान

आचारसंहिता उल्लंघन और निर्वाचन व्यय अनुश्रवण के मद्देनजर जिला प्रशासन सतर्क

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोपालगंज- बिहार- बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने की दिशा में गोपालगंज जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी और कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक गोपालगंज अवधेश दीक्षित ने e&penditure sensitive constituencies के अंतर्गत आने वाले नदी किनारे के दियारा क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था की स्थिति एवं संभावित गतिविधियों की समीक्षा कर सघन गश्त और

छापेमारी की रणनीति तैयार की है।

पुलिस अधीक्षक श्री दीक्षित ने जिले के सभी दियारा क्षेत्रों में कार्यरत पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे दिन-रात लगातार गश्त करें, संवेदनशील स्थानों पर चौकसी बढ़ाएँ तथा किसी भी प्रकार की गैर-कानूनी गतिविधि, अवैध शराब, शस्त्र, या धन वितरण जैसी कार्रवाइयों में संलिप्त व्यक्तियों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रत्येक चेकपोस्ट, थाना क्षेत्र, और दियारा इलाकों में निगरानी व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया है। विशेषकर नदी के रास्ते होने वाले आवागमन पर पुलिस एवं प्रशासनिक टीम की संयुक्त कार्रवाई जारी रहेगी।

पुलिस अधीक्षक ने यह भी स्पष्ट किया कि मतदान से पूर्व मतदाताओं को प्रभावित करने वाले तत्वों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। जिले के सभी e&penditure sensitive क्षेत्रों में पुलिस एवं निगरानी दल सतर्कता के साथ काम कर रहे हैं, ताकि किसी भी प्रकार की आचार संहिता उल्लंघन या चुनाव प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न न हो।

उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अवैध कार्य की सूचना तुरंत नजदीकी पुलिस थाने या नियंत्रण कक्ष को दें, ताकि समय पर कार्रवाई की जा सके। गोपालगंज जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की प्राथमिकता है कि विधानसभा चुनाव शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी माहौल में संपन्न हो।

नपा उपचुनाव, मतदान आज- 1, 30,908 मतदाता करेंगे मतदान, 17 को होगी मतगणना

● भाजपा और सपा समर्थित प्रत्याशी आमने- सामने, प्रशासन तैयार, मतदाता उत्साहित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। ललितपुर नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पद का उपचुनाव आज निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है। महीनों से राजनीतिक तैयारियों और बयानबाजियों के बाद अब मतदाता अपने मताधिकार के जरिए यह तय करेंगे कि शहर की कमान किसके हाथ में होगी। प्रशासन ने मतदान को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। शहर के 26 वार्डों में आज सुबह 7 बजे से लेकर शाम 5 बजे तक मतदान कराया जा रहा है, जिसके परिणाम 17 अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे। नगर पालिका अध्यक्ष पद की इस उपचुनाव में सीधा मुकाबला भाजपा की प्रत्याशी सोनाली विवेक जैन और सपा समर्थित इंडिया गठबंधन की प्रत्याशी नीलम आशीष चौबे के बीच है। इसके साथ ही दो निर्दलीय प्रत्याशी भी मैदान में हैं, जो समीकरणों को प्रभावित कर सकते हैं।

यह चुनाव महज नगर निकाय का चुनाव नहीं बल्कि स्थानीय सियासत की दिशा तय करने वाला जनमत संग्रह बन गया है। नगर में कुल 1,30,908 मतदाता हैं, जिनमें 68,177 पुरुष और 62,731 महिलाएं शामिल हैं। चुनाव को निष्पक्ष रूप से सम्पन्न

कराने के लिए प्रशासन ने जबरदस्त तैयारी की है। मतदान के लिए 49 मतदान केन्द्रों पर 136 मतदान स्थल बनाए गए हैं। इन्हें 2 जोन और 10 सेक्टरों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक मतदान स्थल पर कड़ी निगरानी और पुलिस तैनाती की गई है। मतदान स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जो पूरे मतदान को रिकॉर्ड कर रहे हैं। चुनाव प्रक्रिया के लिए अमरपुर गल्ला मंडी से मंगलवार को पोलिंग पार्टियों को रवाना किया गया। प्रत्येक पोलिंग पार्टी को जरूरी सामग्री, मतपेटी और सुरक्षा संसाधन उपलब्ध कराए गए। कुल 136 पोलिंग पार्टियां इस चुनाव में काम कर रही हैं, जिनमें से 14 रिजर्व में रखी गई हैं।

मतदान कर्मचारियों की संख्या 550 से अधिक है और उन्हें 28 बसों के जरिए मतदान केंद्रों पर भेजा गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी अमनदीप डुली और उप जिला निर्वाचन अधिकारी अंकुर श्रीवास्तव सहित तमाम वरिष्ठ अधिकारी खुद चुनाव प्रक्रिया की निगरानी में लगे हैं। जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, अपर जिला अधिकारी, उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी और अन्य जिम्मेदार अधिकारी लगातार फील्ड में मौजूद रहकर मतदान व्यवस्था को मॉनिटर कर रहे हैं। मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और पारदर्शी बनाने के लिए करीब 300 मतपेटियों का उपयोग किया जा रहा है। वहीं, कंट्रोल रूम से हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। सोशल मीडिया पर भी प्रशासन की आईटी टीम नजर बनाए हुए है ताकि अफवाहों या गड़बड़ी की कोई गुंजाइश न रहे। मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की सुविधा के लिए स्वास्थ्य सुविधा भी मुहैया कराई गई है, जिसके तहत प्रत्येक सेक्टर मजिस्ट्रेट के साथ एक चिकित्सक तैनात किया गया है। मतदान के बाद सभी मतपेटिकाओं को अमरपुर मंडी स्थित स्ट्रॉन्ग रूम में सुरक्षित रखा जाएगा। मतगणना की प्रक्रिया 17 अक्टूबर को इसी स्थान पर संपन्न होगी। नगरपालिका अध्यक्ष पद का यह उपचुनाव शहर की भविष्य की दिशा तय करेगा। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि जनता किसे अपना नेतृत्व सौंपती है कृसत्ता पक्ष को या विपक्ष को।

रोजगार मेले का आयोजन अठारह को

स्वतंत्र प्रभात ब्रेकिंग न्यूज़

ललितपुर। जिला सेवायोजन अधिकारी आकांक्षा यादव ने जिले के युवा अभ्यर्थियों को अवगत कराया है कि सेवायोजन कार्यालय परिसर गोविन्द नगर में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन 18 अक्टूबर 2025 को सुबह 11 बजे किया जा रहा है। रोजगार मेले में शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट, स्नातक एवं आईटीआई में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की आवश्यकता है। रोजगार मेले में सम्मिलित होने व साक्षात्कार हेतु अभ्यर्थियों को अपना पंजीयन रोजगार संगम पोर्टल पर जॉबसीकर के रूप में कराना होगा। जिसमें युवाओं को रोजगार के अवसर जानने के लिए प्रतिभाग कर सकते हैं। यह भी बताया कि कार्यालय से आयोजित होने वाले रोजगार मेलों में कम्पनियों द्वारा चयन की प्रक्रिया पूर्ण रूप से मुफ्त है, यदि कोई व्यक्ति इस एवज में सिक्योरिटी व डिमाण्ड करता है तो ऐसे फेक ई-मेल, एसएमएस व फोन कॉल को सत्य न माना जाये और कार्यालय से सम्पर्क करें।

2 प्रति फोटोकॉपी के लिए 5 हजार का लगाया बिल, लपरी ग्राम पंचायत में सरपंच और सचिव ने मिलकर किया बड़ा घोटाला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शहडोल/जयसिंहनगर- तहसील जयसिंहनगर के अंतर्गत एक बार फिर भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है. ग्राम पंचायत लपरी में सरपंच और सचिव मिलकर खुलेआम जनता का पैसा डकार रहे हैं. इस बार तो भ्रष्टाचार के मामले में लपरी पंचायत ने कुदरी पंचायत को कोसों दूर पीछे छोड़ दिया है. चलिए आपको बताते हैं कि पूरा मामला क्या है।

आप कभी कल्पना कर सकते हैं कि दो प्रति फोटोकॉपी करवाने की कीमत 5000 रुपये हो सकती है. नहीं कर सकते हैं ना? लेकिन ग्राम पंचायत लपरी में ऐसा ही खेल हुआ है, जिससे वहां की जनता अब तक अनजान है. लपरी पंचायत ने महज 2 प्रति फोटोकॉपी के लिए 5000 रुपये का भुगतान किया है, जिसका बिल इन दिनों चर्चा में आ गया है।

1 पेज की फोटोकॉपी की कीमत 2500 रुपये

बिल में बताया गया कि 2500 रुपये 1 पेज की फोटोकॉपी के लिए भुगतान किया है. अमूमन दो प्रति फोटोकॉपी की कीमत 5 से 10 रुपये हो सकती है, लेकिन लपरी पंचायत में इसके लिए 5 हजार रुपये दिए गए हैं. ये भ्रष्टाचार नहीं है तो फिर क्या है।

सचिव और सरपंच ने मिलकर किया भ्रष्टाचार

यह फोटोकॉपी 'महाराज फोटोकॉपी सेंटर एवं डिजिटल स्टूडियो' में हुई है. आप सोच सकते हैं कि इस शॉप में फोटोकॉपी कितनी महंगी है. दरअसल, यह बिल ही फर्जी है. ग्राम पंचायत लपरी के सचिव और सरपंच ने मिलकर दो प्रति फोटोकॉपी का फर्जी बिल लगा दिया और 5 हजार रुपये अपने जेब में रख लिए, जिसका खुलासा अब हो चुका है।

बिल पर सरपंच-सचिव के साइन भी हैं मौजूद

इस बिल में सरपंच और सचिव ने बकायदा साइन किए हैं और उनके सील भी लगे हैं. आप सोचिए अभी तो सिर्फ एक ही मामला है. दोनों ने मिलकर अब तक ऐसे ही ना जाने कितने फर्जी बिल लगाकर लाखों का भ्रष्टाचार किया होगा. कुछ दिनों पहले ही कुदरी ग्राम पंचायत में ऐसा ही एक मामला सामने आया, जिसमें 2 प्रति फोटोकॉपी के लिए 4 हजार रुपये का भुगतान किया गया था।

दिल्ली के शिक्षा मंत्री ने महिला अभ्यर्थियों को आश्वासन दिया- आयु में 10 वर्ष की छूट 2024 की तरह अब भी लागू रहेगी

● आशीष सूद- हमें गलत जानकारी दी गई थी कि 2024 में अधिकतम आयु 30 वर्ष थी, जिसे मेरे निदेशक तुरंत सुधारेंगे।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

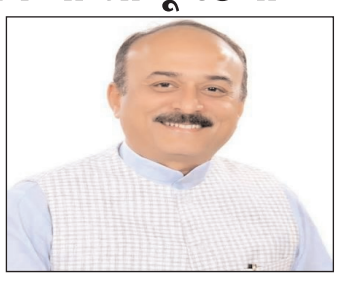

नई दिल्ली महेश मिश्रा एक भरोसेमंद और निर्णायक कदम उठाते हुए दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने हजारों महिला अध्यापक अभ्यर्थियों को यह आश्वासन दिया है कि महिला उम्मीदवारों के लिए 10 वर्ष की आयु सीमा में छूट, जो 2024 की टीजीटी (प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक) भर्ती अधिसूचना में लागू थी आगामी डीएसएसएसबी भर्ती में भी जारी रहेगी।यह घोषणा उस समय की गई जब महिला शिक्षक अभ्यर्थियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षा मंत्री से मुलाकात कर हाल ही में जारी डीएसएसएसबी अधिसूचना से आयु छूट हटाए जाने पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त की।अभ्यर्थियों ने बताया कि 2024 की भर्ती अधिसूचना में महिलाओं के लिए अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष थी जबकि 2025 की अधिसूचना में इसे गलत रूप से 30 वर्ष कर दिया गया। उन्होंने मंत्री से अनुरोध किया कि इस नीति में न्याय और निरंतरता सुनिश्चित की जाए।

शिक्षा मंत्री की तत्पर और संवेदनशील प्रतिक्रिया

प्रतिनिधिमंडल की बातों को ध्यानपूर्वक सुनने के बाद शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने तुरंत शिक्षा निदेशक से संपर्क किया और मामले की जांच कराई। पिछले वर्ष की अधिसूचना का अवलोकन करने पर यह पाया गया कि 2025 के विज्ञापन के मसौदे के दौरान गलत जानकारी साझा की गई थी। इस पर मंत्री ने विभाग को निर्देश दिया कि अधिसूचना की समीक्षा कर उसे संशोधित किया जाए ताकि महिला अभ्यर्थियों के लिए आयु सीमा में वही छूट लागू रहे जो 2024 में थी।हमें गलत जानकारी दी गई थी कि 2024 में अधिकतम आयु 30 वर्ष थी, जिसे मेरे निदेशक तुरंत सुधारेंगे शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने अभ्यर्थियों को संबोधित करते हुए कहा।महिला अभ्यर्थियों ने मंत्री की त्वरित, विनम्र और सहानुभूतिपूर्ण प्रतिक्रिया के लिए आभार व्यक्त किया और इसे महिला सशक्तिकरण और न्याय के प्रति भाजपा-शासित दिल्ली सरकार की प्रतिबद्धता का सच्चा उदाहरण बताया।संवैधानिक और नीतिगत पृष्ठभूमि महिलाओं को आयु सीमा में छूट देने का सिद्धांत भारत के संविधान और प्रशासनिक ढांचे में निहित सामाजिक न्याय और समान अवसर की भावना पर आधारित है।संविधान का अनुच्छेद 15(3) राज्य को यह अधिकार देता है कि वह महिलाओं और बच्चों के हित में विशेष प्रावधान बना सके उनकी विशिष्ट सामाजिक और पारिवारिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए। इसके अलावा,कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (DoPT) ने 1980 के दशक से अपने दीर्घकालिक नीति ढांचे और दिल्ली सरकार की भर्ती प्रक्रियाओं के अनुरूप महिलाओं को आयु सीमा में छूट का समर्थन किया है।

यह नीति विवाह, मातृत्व और पारिवारिक उत्तरदायित्वों के कारण महिलाओं के करियर में आने वाले अवरोधों को ध्यान में रखते हुए बनाई गई है, ताकि वे *समान रूप से प्रतिस्पर्धा कर सकें और सार्वजनिक सेवा क्षेत्रों, विशेष रूप से शिक्षा में योगदान दे सकें अभ्यर्थियों ने जताया आभार

एक शिक्षक अभ्यर्थी सुश्री सुमन टी. मिश्रा ने मंत्री की संवेदनशीलता और त्वरित निर्णय के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा हम शिक्षा मंत्री आशीष सूद जी के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करती हैं, जिन्होंने हमारी बात को न केवल सुना बल्कि तत्काल समाधान का आश्वासन भी दिया। उनका यह कदम महिलाओं के प्रति सच्चे सम्मान को दर्शाता है, देवी, मां और बहन के रूप में। हम माननीय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भाजपा नेतृत्व, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के भी आभारी हैं, जिनकी 'नारी शक्ति' की भावना पूरे देश में महिलाओं को प्रेरित और सशक्त कर रही है महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम शिक्षा मंत्री के इस निर्णय का अभ्यर्थियों और शिक्षा जगत दोनों ने स्वागत किया है। इसे न्याय, समावेशिता और लैंगिक समानता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया गया है।यह निर्णय न केवल दिल्ली सरकार की पारदर्शी और संवेदनशील शासन प्रणाली में जनता के विश्वास को मजबूत करेगा, बल्कि यह भी सुनिश्चित करेगा कि किसी भी योग्य महिला को प्रक्रिया की त्रुटियों के कारण अवसर से वंचित न होना पड़े अभ्यर्थियों को विश्वास है कि संशोधित अधिसूचना शीघ्र ही जारी की जाएगी जो दिल्ली सरकार की महिला अधिकारों और शिक्षा क्षेत्र में समावेशिता के प्रति प्रतिबद्धता को पुनः स्थापित करेगी।

इंस्टा पे हुई मोहब्बत- जब प्रेमी के झूठ से उठा पर्दा..सच जान रो पड़ी युवती

● झूठ के बुनियाद पर खड़ा हुआ रिश्ता कांच की तरह टूटकर कर बिखरा

बड़े सपने लेकर भोपाल से पाली के एक गांव पहुंची थी युवती

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाली। इंस्टा..पे भोपाल की जिस युवती को अपने पड़ोसी प्रदेश के एक युवक से बेइंतहा मोहब्बत हो गयी थी। मोहब्बत भी इतनी कि युवती ज्यादा दिनों तक अपने कदमों को रोक नहीं पायी। घर से निकले कदम जब प्रेमी के घर पहुंचे तो वहां प्रेमी के पकड़े गए झूठ को देख उसका प्यार कांच की तरह फर्श पर बिखर गया। उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह अपने प्रेमी को दोष दे जिसने खुद के सच को उससे छिपाए रखा या फिर खुद को जो इंस्टा पर युवक की बातों में व दिखायी गयी तस्वीरों को सच मान उसे अपना दिल दे बैठी। युवती का सपना था कि वह उसके द्वारा दिखाए गए बंगले में बड़े ऐश करेगी लेकिन वहां पाया दो पक्के कमरे बाकी कच्चा मकान। इंस्टा पर मोहब्बत के नाम पर ठगी गयी युवती कभी प्रेमी परिवार के ऊपर चीखती चिल्लाती तो कभी फफक फफक कर रो पड़ती। इंस्टा पर हुई मोहब्बत का मजाक जब सडक़ पर आया तो लोग भी तमाशबीन हो गए और फिर किसी तरह युवती को समझाबुझाकर पूरे मामले को जैसे- तैसे शांत कराया। चौराहे पर हुए तमाशे के बाद ऐसे प्रेम को लेकर बड़ी चर्चा बनी है। पूरा मामला है प्रेमप्रसंग में भोपाल से 250 किलोमीटर दूर चलकर आयी एक युवती की जो पाली अंतर्गत ग्राम पडऩा में अपने प्रेमी से मिलने उसके घर पहुंची थी।

लगातार पुलिस कर रही जागरूक

साइबर अपराध से बचने के पुलिस लगातार लोगों को जागरूक कर रही है, इतना ही नहीं स्कूलों में अपनी पाठशाला भी लगा रही है ताकि युवा पीढ़ी मोबाइल से होने वाले दुरपयोग को भलीभांति जान लें। सलाह दी जा रहीअनजान कॉल से बचे, अपना मोबाइल नम्बर, फोटो और निजी जानकारी सोशल मीडिया पर बिल्कुल साझा न करें। मोबाइल का उतना ही उपयोग करें जितनी जरूरत हो। इन सबके बीच सोशलमीडिया के इंस्टाग्राम जैसे कुछ अप्प है, जिन पर युवा पीढी अपना ज्यादा समय बिता रही है। कुछ ऐसे एप्प भी आ गए है जो लोगों के रंग और रूप को उनके अनुसार खूबसूरत बना रहे है। ऐसी झूठी तैयार की गयी तस्वीर भी कभी किसी के लिए आकर्षण का केंद्र बन जाती है और लोग धोखे में आकर उस पर विश्वास कर धोखा खा भी जाते है। पुलिस द्वारा लगातार जागरूक करने के बाद भी जो इससे सीख नहीं पा रहे वह शिकार हो रहे है।

सोशलमीडिया के प्लेटफार्म इंस्टा पर भोपाल निवासी एक युवती को पाली क्षेत्र के एक युवक से ऐसी मोहब्बत हुयी कि वह बिन बताए अपने घर से अपने प्रेमी से मिलने की जिद के साथ निकल पड़ी। लेकिन किसी तरह युवती के परिजनों को उसके घर से भागने की जल्दी जानकारी मिली तो परिजनों ने उसे पकड़ लिया लेकिन युवती की जिद थी कि आज हर हाल में प्रेमी के घर पहुंच उससे मिलना है, युवती की जिद के आगे उसके माता-पिता को भी झुकना पड़ा और फिर युवती अपने माता-पिता के साथ अपने प्रेमी के घर जा पहुंची। युवती ने जब वहां जाकर देखा कि जो प्रेमी उसे इंस्टा पर बात कर आलीशान बंगले के

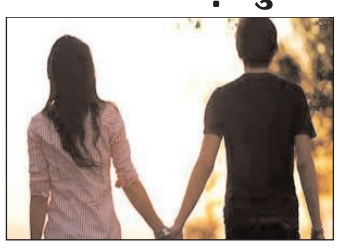

सपने दिखता था असल में वहां सडक़ से लगकर उसका कच्चा मकान मिला। जिन गाडिय़ों को दिखाकर वह सैर कराने की बात करता असल में उसके पास खुद की एक अच्छी बाइक भी नहीं है। जिन दिखाए गए सपनों को वह सच मान चुकी थी और हकीकत में सब हवाहवाई निकला तो फिर क्या था दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गयी तो लोग भी वहां एकत्रित हो गए किसी तरह दोनों पक्षो को समझा कर मामला शांत कराया और उन्हें सोमवार की रात्रि आठ बजे के करीब भोपाल भेजने के लिए पाली बसस्टैंड पर ले आए। पाली बसस्टैंड पर आते ही एक बार फिर कहासुनी हुयी तो लोग एकत्रित हो गए, जहां युवती के परिजनों ने बताया कि उक्त युवक इंस्टा पर झूठ की बुनियाद खड़ी कर मेरी बेटी को बड़े सपने दिखता रहा, जिसे मेरी बेटी सच मान गयी। जब बेटी के साथ युवक के घर पहुंचे तो उसका सच मेरी बेटी के सामने आया, जो अब खुद को ठगा महसूस कर रही है। किस्मत अच्छी थी कि बेटी के साथ चला आया, बेटी अकेली आयी होती तो खुद को कैसे सम्हाल पाती।

इंस्टा पर हुई मोहब्बत के बाद यहां पहुंची युवती की उम्र करीब 19 वर्ष होगी। वहीं, उक्त युवक अविवाहित है, चर्चा है कि करीब दस माह पूर्व भी इंस्टा पर उसने एक अलग लडक़ी को ऐसा ही झांसा दिया था। लडक़ी उसके घर पहुंची थी मामला पाली पुलिस थाने भी पहुंचा था लेकिन किसी तरह मामला वह मामला भी शांत हो गया था।